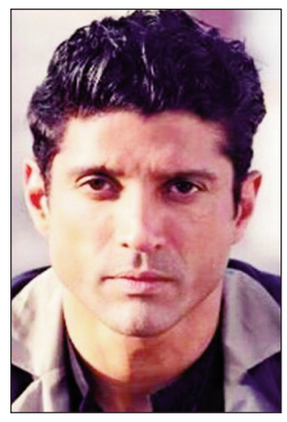


सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



खेत की जुताई को लेकर दो पक्षों में मारपीट, गोली चलने .... पेज: 6

फरहान अतर ने वेब सीरीज 'मिजार्पुरइ को बड़े .... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 222 | सोमवार 16 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मुंबई सीएसएमटी पर बम की धमकी निकली अफवाह

मुंबई , एजेंसी । मुंबई में रविवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच के बाद अफवाह निकली । शनिवार शाम करीब 6-40 बजे वाडी बंदर स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के नियंत्रण कक्ष को स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना मिली थी । इसके तुरंत बाद, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी, मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर पूरे टर्मिनल पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया । श्वान दस्तों के साथ, उपनगरीय व लंबी दूरी की ट्रेनों के प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुलों और पार्सल क्षेत्रों सहित पूरे परिसर को खंगाला गया । घंटों चली इस सघन जांच के बावजूद, स्टेशन या किसी भी ट्रेन में कोई संदिग्ध व्यक्ति, विस्फोटक सामग्री या लावारिस वस्तु नहीं मिली । सुरक्षा एजेंसियां अब भी पूरी तरह सतर्क हैं और रेलवे नेटवर्क पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं ।

पुणे एयरपोर्ट से उड़ी फ्लाइट नहीं मुड़ा लैंडिंग गियर, वापस एयरपोर्ट पर कराई लैंडिंग

- विमान में थे 192 यात्री सवार, सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित निकाला

पुणे, एजेंसी । महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट पर रविवार सुबह इंडिगो की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई । पुणे से गुवाहाटी जा रही फ्लाइट ने उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही तकनीकी खराबी के कारण वापस पुणे एयरपोर्ट पर लैंडिंग करानी पड़ी । राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ । जानकारी के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट 6ई 0623 ने रविवार सुबह पुणे से गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी थी । उड़ान भरने के बाद विमान का लैंडिंग गियर वापस अपनी जगह पर नहीं मुड़ पाया । इस तकनीकी दिक्कत का पता चलते ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को तुरंत वापस उतारने का फैसला लिया गया । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान में कुल 192 यात्री सवार थे । इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया । इस घटना में किसी के भी घायल होने की कोई खबर नहीं है । लैंडिंग गियर विमान के पहियों और उनसे जुड़े पूरे सिस्टम को कहा जाता है । इसका इस्तेमाल विमान को रनवे पर सुरक्षित उतारने और जमीन पर चलाने के लिए किया जाता है । आमतौर पर उड़ान भरने के बाद विमान के ये पहिए अंदर की तरफ मुड़कर अपनी तय जगह में बंद हो जाते हैं ताकि हवा का दबाव कम रहे और विमान आसानी से उड़ सके । इस फ्लाइट में यही सिस्टम ठीक से काम नहीं कर पाया था जिसके चलते विमान की वापस लैंडिंग करानी पड़ी ।

नशा तस्करों पर शिकंजा :25 करोड़ की स्मैक के साथ छह गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी । बिहार के अररिया जिले में पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी सफलता मिली है । पुलिस ने तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है । इस कार्रवाई में छह कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 25 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 4.08 किलोग्राम स्मैक व इस बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन जब्त किया हैं । पुलिस ने बताया कि इन कार्रवाइयों में गिरफ्तार आरोपियों में चार पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के निवासी हैं, जबकि दो अररिया जिले के हैं । पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बिना नंबर प्लेट वाली काली स्कॉर्पियो, छह मोबाइल फोन और वजन तौलने वाली मशीन बरामद की है । पुलिस ने बताया कि पहली कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हड़ियाबाड़ा टोल प्लाजा के पास हुई, जहां मालदा निवासी इस्माइल शेख को 812 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा गया । उसकी निशानदेही पर जोगबनी के रियाज अंसारी को भी गिरफ्तार किया । एक अन्य कार्रवाई में, पूर्णिया से आ रही एक यात्री बस की तलाशी के दौरान मालदा के रिंकू महालदार से 1.416 किलोग्राम स्मैक बरामद की गई । इसके बाद, अररिया पुलिस और जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली ।

सीएम योगी ने 25 लाख टैबलेट योजना का किया शुभारंभ: सपा सरकार ने मुन्ना भाई पैदा किए



लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ी पहल की शुरुआत की है। लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 25 लाख युवाओं को टैबलेट वितरित करने की योजना का श्रीगणेश किया।

इस मौके पर, मुख्यमंत्री योगी ने प्रतीकात्मक रूप से 50 हजार छात्र-छात्राओं को टैबलेट सौंपे, जिसमें लखनऊ के साथ-साथ उन्नाव, सीतापुर और हरदोई जिलों के युवा भी शामिल थे। सीएम योगी ने अपनी इच्छा व्यक्त कर कहा कि वे स्वयं प्रत्येक लाभार्थी से मिलकर सेल्फी लेना चाहते थे, लेकिन योजना का विशाल आकार इस बात की अनुमति नहीं देता।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर कड़ा प्रहार कर कहा कि 2017 से पहले, सरकारी नौकरियों में चाचा-भतीजे वसूली करने निकल पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को नौकरी पाने के लिए न किसी सिफारिश की जरूरत है और न ही कोई रिश्वत देनी पड़ती है। हमारी सरकार ने युवाओं के सामने से पहचान का संकट समाप्त किया है।

योगी ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की पहचान बदली है। अब राज्य में ब्रह्मोस मिसाइल और कानपुर में राइफल जैसे उत्पादों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने माफिया द्वारा कब्जा की गई जमीन पर फोरेंसिक इंस्टीट्यूट के निर्माण का उदाहरण देकर कहा कि बुलडोजर भेजने पर माफिया भाग खड़े हुए। उन्होंने सपा सरकार पर मुन्ना भाई पैदा करने और परीक्षा कोई और देने तथा डिग्री कोई और लेने का आरोप भी लगाया। यह योजना, जो 2021 में शुरू हुई थी, इस चरण के पूरा होने के बाद कुल 85 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन प्रदान करेगी, जो डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक धमाके के दो आरोपी गिरफ्तार, इसमें एक महिला भी

- पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से पुकारते थे

जयपुर, एजेंसी । राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुए रेलवे ट्रैक धमाके के मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब से एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है । राजस्थान एंटी-टेरर स्क्वाड, श्रीगंगानगर पुलिस और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया । पकड़े गए आरोपियों की पहचान महकदीप कौर (21) और दविंदर सिंह (22) के रूप में हुई है । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि महकदीप कौर पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स के संपर्क में थी । पुलिस ने बताया कि इनमें से एक हैंडलर को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से जाना जाता है । दोनों ने प्यार भरी बातों और पैसों का लालच देकर महकदीप को अपने जाल में फंसाया था । पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब इसी तरह के तरीके अपना रही है । इससे पहले भी आईएसआई ने गंगानगर की रहने वाली बबीता नाम की एक महिला को इसी तरह अपने जाल में फंसाया था । महकदीप अपने पति से अलग रह रही थी, जो फिलहाल ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद है । जांच में यह भी पता चला है कि महकदीप को रेलवे ट्रैक पर धमाका करने के लिए पैसे दिए गए थे । पुलिस ने उसके पास से दो हथियार, 46 कारतूस और 30 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं ।

राहुल गांधी ने निभाया वादा: बड़वानी की प्रियंका की आंख का दिल्ली में सफल ऑपरेशन

- छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने किया था वादा

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले की प्रियंका सेंगर, जिनकी तीन साल की उम्र में दर्दनाक हादसे के दौरान आंख में चूना गिरने से एक आंख की रोशनी चली गई थी, अब एक सफल ऑपरेशन के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण यह इलाज मुमकिन नहीं हो पाया था। 19 सितंबर 2026 को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से संवाद करते हुए प्रियंका ने सरकारी छात्रावासों की बदहाली का मुद्दा उठाया। जब राहुल गांधी की नजर उनकी आंख पर पड़ी और उन्होंने प्रियंका की आपबीती सुनी, तब तुरंत उनके इलाज का पूरा खर्च उठाने और जिम्मेदारी लेने का वादा किया।



अपने वादे के कुछ ही दिनों बाद राहुल गांधी की टीम ने प्रियंका के परिवार से संपर्क किया। 27 सितंबर को प्रियंका अपने पिता उदय सिंह सेंगर और सामाजिक कार्यकर्ता सरदार नरगावे के साथ दिल्ली पहुंचीं। दिल्ली के इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल में जरूरी जांचों के बाद 1 अक्टूबर को उनकी आंख का सफल ऑपरेशन हुआ। कांग्रेस नेता पोरलाल खरते ने भी इस पूरी प्रक्रिया में सहयोग दिया। राहुल गांधी की ओर से आने-जाने के टिकट से लेकर अस्पताल के सभी खर्चों का वहन किया गया, जिससे परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। प्रियंका ने बताया कि अब उन्हें पहले से काफी बेहतर दिखाई दे रहा है, और भविष्य में आंख में लेंस भी प्रत्यारोपित किया जाएगा। इस मानवीय रिश्ते की एक और खूबसूरत तस्वीर 11 नवंबर 2026 को भाई दूज के दिन सामने आई। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी ने प्रियंका, उनके पिता और सरदार नरगावे से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने प्रियंका की तबीयत और आंख की स्थिति का हालचाल पूछा और दिलासा देते हुए कहा, किसी भी बात की चिंता मत करना, आपका भाई आपके साथ है। इस मुलाकात में प्रियंका ने अपनी व्यक्तिगत समस्या तक सीमित न रहकर छात्रों से जुड़े व्यापक मुद्दों जैसे छात्रवृत्ति, आवास, भर्ती प्रक्रिया और पेपर लीक पर भी चर्चा की।

अलग-अलग संगठनों में बैठे दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहें लोग: नितिन नबीन

छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

रायगढ़ , एजेंसी । बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को लोगों से दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की और आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नबीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए नबीन ने कहा कि पीएम मोदी ने देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया। केंद्र और राज्य सरकारें इस संकल्प को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नबीन को इस कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान नहीं उतर सका, जिसके कारण उनका दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने सीएम विष्णु देव साय और उनकी टीम को राज्य को नक्सलवाद से मुक्त बनाने के लिए बधाई दी। साथ ही, माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नबीन ने आरोप लगाया कि उसने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोटों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदों के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में ही जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है। नबीन ने कहा कि केंद्र और छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकारें आदिवासी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और यह तय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि चाहे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हो या विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली, हमारा मुख्य संकल्प आपके जीवन स्तर में बदलाव लाना और विकास की उस गति को तेज करना है, जो लंबे समय से रुकी हुई थी।

बीजेपी अध्यक्ष नबीन 18 को आएंगे पंजाब, समरसता संकल्प यात्रा को दिखाएंगे हरी झंडी

- यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी, दलित समुदाय को साधने की स्ट्रैटेजी

अमृतसर ,एजेंसी । पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं । इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन फिर पंजाब आ रहे हैं । जानकारी के मुताबिक नबीन 18 नवंबर को पंजाब आएंगे । अपने दौरे में वे गुरु रविदास महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में जालंधर से आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे । बता दें यह यात्रा जालंधर के प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र डेरा सचखंड बल्लां से शुरू होगी और 3 दिसंबर को यूपी के वाराणसी में खत्म होगी । करीब 2,558 किमी लंबी यह यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी । इस यात्रा का मकसद गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे, मानव कल्याण और सद्भाव के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है । बीजेपी पंजाब में सिर्फ पॉलिटिकल रैलियों तक सीमित न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव बनाने की स्ट्रैटेजी अपना रही है ।

रिपोर्ट के मुताबिक नबीन के दौरे से पार्टी यह मैसेज देना चाहती है कि वह 2027 का चुनाव पूरी गंभीरता से लड़ेगी । पंजाब में अनुसूचित जाति की बड़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए बीजेपी गुरु रविदास की शिक्षाओं के जरिए दलित समुदाय में अपना सामाजिक आधार मजबूत करना चाहती है । साथ ही बीजेपी ने आम आदमी पार्टी के वोट बैंक को मजबूत करने के लिए सामाजिक सद्भाव का दांव खेला है, जिसे पिछले चुनावों में अनुसूचित जाति के वोटरों का भारी समर्थन मिला था । पंजाब और वाराणसी दोनों ही गुरु रविदास महाराज के भक्तों के लिए आस्था के सबसे बड़े केंद्र हैं । बीजेपी जालंधर से होने वाली समरसता संकल्प यात्रा के जरिए दोनों राज्यों के दलित समुदाय को एकजुट करने की कोशिश कर रही है ।

एक देश के साथ दोस्ती करने के लिए दूसरे देश से दुश्मनी जरूरी नहीं

शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में बांग्लादेश की विदेश नीति का किया जिक्र

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के साथ रिश्तों को लेकर बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि बांग्लादेश भारत का सबसे करीबी पड़ोसी है और दोनों देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति से कहीं ज्यादा अहम हैं। भारत में अगस्त 2024 से रह रहीं शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी निजी स्थिति भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में रुकावट नहीं बननी चाहिए। उन्होंने चीन के साथ बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकी पर भी अपनी राय रखी और साफ कहा कि एक देश के साथ दोस्ती करने के लिए दूसरे देश से दुश्मनी जरूरी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के संबंध 1971 के मुक्ति संग्राम के समय से चले आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा है और व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझा हित जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि ये रिश्ते इतने अहम हैं कि इन्हें किसी व्यक्ति से जुड़े राजनीतिक मतभेदों के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार की ओर से अपने प्रत्यर्पण की मांग पर हसीना ने कहा कि भारत एक संप्रभु देश है और उसके अपने कानून और प्रक्रियाएं हैं। वहां की सरकार इन्हीं के मुताबिक फैसला लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी निजी स्थिति दोनों देशों के संबंधों में कोई बाधा नहीं बनेगी।

भारत के महत्व पर जोर देते हुए हसीना ने कहा कि एक शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और स्थिर बांग्लादेश से भारत को फायदा होता है, जबकि मित्रवत और सहयोगी भारत बांग्लादेश के हित में है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उनका समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से होना चाहिए। गंगा के पानी के बंटवारे, जमीन की सीमा और समुद्री सीमाओं से जुड़े मुद्दों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बातचीत से विवाद सुलझाए जा सकते हैं।

उन्होंने बांग्लादेश के चीन के करीब जाने और बीजिंग से लड़ाकू विमान खरीदने की संभावनाओं पर हसीना ने कहा कि बांग्लादेश को अपनी सेना आधुनिक बनाने का पूरा अधिकार है। उनकी सरकार ने भी रक्षा क्षेत्र में निवेश किया था और चीन समेत कई देशों के साथ सहयोग किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में किसी भी बड़ी खरीदारी से पहले देश की आर्थिक स्थिति और उसकी वास्तविक जरूरतों को देखना जरूरी है।

शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश को अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन उसे बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार की विदेश नीति का जिक्र करते



हुए कहा कि उसका सिद्धांत सभी देशों के साथ दोस्ती और किसी के प्रति दुश्मनी नहीं रखने का रहा है। हसीना के इस बयान में भारत के साथ मजबूत सहयोग, चीन के साथ संतुलित संबंध और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर उनका नजरिया साफ दिखाई देता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार सख्त

नियमों का उल्लंघन तो अफसर होंगे जिम्मेदार, 191 उद्योगों को सील करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली, हरियाणा, यूपी और राजस्थान के पर्यावरण मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रदूषण किसी राज्य की सीमा में नहीं रुकता, इसलिए दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में मिलकर एक जैसे कदम उठाने होंगे।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्री यादव ने जल्द से जल्द सभी संबंधित राज्यों को गाड़ियों की नंबर प्लेट पहचानने वाले ऑटोमैटिक कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। ऐसा नहीं करने पर 30 नवंबर 2026 के बाद संबंधित परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा शुरू किया जाएगा। यादव ने हरियाणा, यूपी और राजस्थान के 15 शहरों में सचिव स्तर के अधिकारियों को तैनात करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों की रियल टाइम निगरानी के निर्देश दिए हैं। नियमों के उल्लंघन पर इन फील्ड अफसरों की सीधी जवाबदेही होगी।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि वह खुद राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ मिलकर नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही यादव ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बार-बार नियम तोड़ने वाले 191 उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया। इन इकाइयों ने प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के निर्देशों का पालन नहीं किया है। सड़क धूल नियंत्रण की स्थिति पर चिंता जताते हुए यादव ने कहा कि 5480 किलोमीटर सड़कों में से केवल 3221 किलोमीटर का पुनर्विकास हुआ है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को गड्ढों की मरम्मत, फुटपाथों की देखभाल के साथ ही सड़कों की एंड-टु-एंड पक्की सतह सुनिश्चित करने को कहा। मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को डबल शिफ्ट में चलाने और एआई आधारित निगरानी से उनकी कार्यप्रणाली पर नजर रखने के निर्देश भी दिए। हरियाणा के 7, यूपी के 4 और राजस्थान के 4 शहरों में सचिव स्तर के अफसरों को फील्ड निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है। ये अफसर हर सप्ताह रिपोर्ट देंगे, नियमों के उल्लंघन पर होगी सीधी जवाबदेही। दिल्ली के 154 बॉर्डर एंट्री पॉइंट्स पर इस साल 31 दिसंबर तक मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम लगाए जाएं।

नहीं थम रहा जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला, सागर में जहरीली शराब पीने से एक की मौत, दूसरा गंभीर

सागर, एजेंसी । मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला सागर जिले का सामने आया है, जहां कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्तियों ने विवेकानंद वार्ड की मछरआई की शराब दुकान से शराब खरीद कर पी थी। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां राजाराम खटीक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे कमलेश पिता रामचरण का उपचार जारी है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विरासत सहेजकर झारखंड को समृद्ध बनाने का आह्वान: सीएम सोरेन

रांची, एजेंसी । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के 26वें स्थापना दिवस और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर प्रदेशवासियों से अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति को सहेजकर एक समृद्ध एवं सशक्त झारखंड के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए गौरव, स्वाभिमान और संकल्प का दिन है।

15 नवंबर, 2000 को बिहार से अलग होकर नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया झारखंड, आज अपने 26वें स्थापना दिवस पर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मना रहा है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस मौके पर कहा कि यह दिन उन वीर पुरखों और शहीदों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने जल, जंगल, जमीन, हक-अधिकार और अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। उन्होंने दिशोम गुरु शिबू सोरेन, शहीद निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो सहित बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू जैसे असंख्य आंदोलनकारियों के योगदान को राज्य की अमूल्य धरोहर बताया।

बिरसा मुंडा, जिनका जन्म 1875 में खूंटी जिले के उलिहातू गांव में हुआ था, ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासियों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 25 वर्ष की अल्पायु में ही ब्रिटिश हिरासत में उनका निधन हो गया था। 2021 से उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मान देने का प्रतीक है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि उनके पुरखों ने जिस झारखंड का सपना देखा था, उस सपने को साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। युवाओं को राज्य की सबसे बड़ी ताकत बताकर सोरेन ने कहा कि उनकी प्रतिभा और नई सोच ही झारखंड के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। सोरेन सरकार उन्हें बेहतर शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान कर उनकी ऊर्जा को राज्य की शक्ति में बदलना चाहती है।

ट्रम्प इफेक्ट से दुनिया में बढ़ रही अनिश्चितता, अमेरिका की नीतियों से भारत सहित कई देशों के सामने नई चुनौती



कांतिलाल मांडोत

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल ने दुनिया की राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। ट्रम्प की कार्यशैली अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों से काफी अलग दिखाई देती है। उनकी नीतियों में अमेरिका फर्स्ट का सिद्धांत सबसे ऊपर है। वे चाहते हैं कि अमेरिका के हितों को प्राथमिकता मिले और दुनिया के दूसरे देश अमेरिकी शर्तों के अनुसार अपने फैसले करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी एक देश के हितों को सर्वोपरि रखकर वैश्विक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है? क्या अमेरिका की ताकत का अर्थ यह है कि वह जब चाहे दूसरे देशों के लिए नए नियम बना दे और उनसे उनका पालन करने की अपेक्षा करे?

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

भारत और अमेरिका के संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, शिक्षा, अंतरिक्ष और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच भी अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकातों और बातचीत में कई बार आपसी मित्रता और सहयोग की बात सामने आई है। भारत ने अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर भी संयमित रुख अपनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से व्यक्तिगत टकराव का रास्ता नहीं चुना। इसके बावजूद अमेरिका की नीतियों के कारण भारत को कई बार नई परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

इसका ताजा उदाहरण अमेरिकी कंपनी आईबीएम का फैसला है। आईबीएम ने अपने सबसे बड़े विभाग आईबीएम कंसल्टिंग में अधिकांश पदों के लिए अमेरिकी कार्य वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रायोजन प्रक्रिया बंद करने का निर्णय लिया है। इस विभाग में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। प्रभावित कर्मचारियों के सामने अमेरिका से बाहर



स्थित आईबीएम कार्यालय में काम जारी रखने अथवा वर्ष के अंत तक कंपनी छोड़ने का विकल्प बताया गया है। हालांकि कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कुल कितने कर्मचारी इस फैसले से प्रभावित होंगे। इसलिए डेढ़ लाख वीजा बंद होने या 40 हजार भारतीयों के प्रभावित होने के आंकड़े को निश्चित संख्या मानना उचित नहीं होगा।

यह फैसला भारतीय पेशेवरों के लिए चिंता का विषय है। अमेरिका में भारत के हजारों प्रतिभाशाली युवा सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। एच-1बी वीजा के माध्यम से भारतीय विशेषज्ञों को अमेरिकी कंपनियों में रोजगार मिलता रहा है। अनेक भारतीयों ने अपनी मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के दम पर अमेरिकी तकनीकी उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में सख्ती का असर केवल कर्मचारियों पर नहीं पड़ता, बल्कि कंपनियों की कार्यप्रणाली और वैश्विक प्रतिभा के आदान-प्रदान पर भी पड़ता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति के बजाय अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अधिक अवसर मिलने चाहिए। यह किसी भी सरकार की अपनी रोजगार नीति हो सकती है। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि आधुनिक तकनीकी उद्योग केवल राष्ट्रीय सीमाओं के आधार पर नहीं चलता। इसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के विशेषज्ञों का योगदान रहता है।

आईबीएम का फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी प्रशासन विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पर अधिक निगरानी कर रहा है। अक्टूबर में माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, इंफोसिस, टीसीएस और कॉग्निजेंट सहित कई कंपनियों की ग्रीन कार्ड संबंधी श्रम प्रमाणन प्रक्रिया को भी अमेरिकी प्रशासन ने निलंबित किया था। इसके अतिरिक्त नए एच-1बी आवेदनों पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला भी विदेशी पेशेवरों और कंपनियों के लिए चिंता का कारण बना है।

ट्रम्प प्रशासन में स्टीफन मिलर की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्हें 6 नवंबर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया। वे लंबे समय से ट्रम्प की सख्त आव्रजन नीतियों के प्रमुख समर्थक और रणनीतिकार रहे हैं। उनकी नियुक्ति के बाद आव्रजन नीति में और सख्ती की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

भारत के सामने अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि वह अपने प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य और आर्थिक हितों की रक्षा कैसे करे। भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखते हुए भारतीय पेशेवरों के हितों का मुद्दा मजबूती से उठाना चाहिए। साथ ही कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और यूरोप के अन्य देशों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर तलाशना समय की आवश्यकता है।

भारत को अपनी तकनीकी क्षमता, शोध, नवाचार और घरेलू उद्योगों को भी मजबूत करना होगा। देश में ऐसी परिस्थितियां बनानी होंगी कि विदेशों में काम करने वाले प्रतिभाशाली युवा भारत लौटकर यहां भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए रोजगार, सम्मानजनक वेतन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि अमेरिका और भारत के संबंध केवल वीजा या व्यापार तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय जुड़े हैं। इसलिए किसी एक मुद्दे पर मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि दोनों देशों के संबंधों में दरार आ जाए। कूटनीति का रास्ता संवाद और आपसी सम्मान से निकलता है।

ट्रम्प को भी समझना होगा कि अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी शक्ति में दुनिया के दूसरे देशों की प्रतिभाओं का बड़ा योगदान है। विदेशी पेशेवरों के लिए रास्ते बंद करने से कुछ अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन इससे अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग भी प्रभावित हो सकता है।

दुनिया किसी एक देश के आदेश से नहीं चल सकती। अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वास, सहयोग और परस्पर सम्मान पर आधारित होते हैं। अमेरिका एक शक्तिशाली देश है, लेकिन उसकी नीतियों का असर दूसरे देशों के नागरिकों और अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इसलिए उसे अपने फैसले लेते समय वैश्विक परिस्थितियों और दूसरे देशों के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए।

भारत को न तो अनावश्यक टकराव का रास्ता अपनाना चाहिए और न ही अपनी चिंताओं को नजरअंदाज करना चाहिए। मित्रता का अर्थ यह नहीं कि हर फैसले को बिना सवाल स्वीकार कर लिया जाए। भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत बने रहें, लेकिन भारतीय हितों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यही बदलती वैश्विक राजनीति में भारत की परिपक्व कूटनीति और आत्मनिर्भरता की असली परीक्षा होगी।

संपादकीय

सोनिया की 'राजनीतिक पटकथा'

राजनीतिक आत्मकथा कभी भी निजी संस्मरणों, घटनाओं, रिश्तों की कहानी नहीं हो सकती। उसमें राजनीतिक परिवेश के खुलासे भी होंगे। राजनीतिक समीकरणों के ब्यौरे भी होंगे। कई स्पष्टीकरण होंगे, तो कुछ राजनीतिक खंडन भी होंगे। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' भी इसी श्रेणी में आती है। वह सबसे लंबे वक्त तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं। उन्होंने उस दौर का भी शीर्ष नेतृत्व किया, जब प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की पार्टी भाजपा को देश ने जनादेश नहीं दिया। कांग्रेस 145 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री पद उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण 'राजनीतिक घटना' थी। भारत में सोनिया 21 साल की नवयुवा उम्र में आईं, राजीव गांधी से शादी की और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर की बहू बनी। यकीनन एक विदेशी लडकी के लिए वह समय कई तनावों, दबावों, प्रभावों और बंदिशों का होगा! सोनिया गांधी की उस निजता से देश का कोई सरोकार नहीं, लेकिन जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने, घर में ही, हत्या कर दी और बाद में मई, 1991 में सोनिया के पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तमिलनाडु की एक जनसभा में कत्ल किया गया, तो ऐसी त्रासदियों के बाद एक बहू की मनःस्थिति क्या रही होगी? उस परिवार के भीतर एक अनदेखा-अघोषित खौफ बैठ गया होगा! सोनिया गांधी ने उस दौर और दिनों के बारे में मार्मिक लेखन किया है। हम 1975 के आपातकाल और 1984 के सिख-विरोधी दंगों जैसी घटनाओं को हाशिए पर रख सकते हैं, क्योंकि उस दौर में कई गुप्त बैठकें, संवेदनशील विचार-विमर्श और निर्णयों के समय के बारे में सोनिया गांधी नहीं जान सकती थीं। उन्होंने अपनी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाव-भाव, मनःस्थिति और प्रतिक्रियाओं को ही देखा होगा, लिहाजा उन्हीं के मद्देनजर उन्होंने टिप्पणी की है। दरअसल सोनिया गांधी 2004-मई, 2014 के दौरान देश की सत्ता और सियासत के सातवें आसमान पर थीं, लिहाजा उनकी किताब और सियासी पटकथा का वह 'चरम-काल' था। कांग्रेस को 145 और भाजपा को 138 सीट मिली थीं। बहुमत से दोनों ही बहुत दूर थीं। तब सोनिया गांधी ने वामदलों, सपा, राजद, द्रमुक आदि दलों के साथ यूपीए गठबंधन बनाया और 10 साल तक देश के शासन पर वह काबिज रहा। सोनिया गांधी कभी प्रधानमंत्री बन ही नहीं सकती थीं, क्योंकि राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 'विदेशी' होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं दिलाएंगे। राष्ट्रपति ने संविधान के कुछ प्रावधानों का भी उल्लेख किया था। एपीजे अब्दुल कलाम ने इस घटनाक्रम का जिक्र अपनी एक किताब में भी किया है। यही नहीं, सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार आदि ने भी राष्ट्रपति से मिल कर सोनिया के 'संभावित प्रधानमंत्रित्व' का जोरदार विरोध किया था। हमने उस दौर के हरेक घटनाक्रम को कवर किया था और खबरें लिखी थीं। डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनना सोनिया गांधी की राजनीतिक मजबूरी थी, क्योंकि वह ही 'सबसे वफादार' चेहरा लगे थे। उन्होंने देश में जो आर्थिक सुधार लागू किए थे, उनसे अर्थव्यवस्था में 'जादुई बदलाव' दिखने लगे थे।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

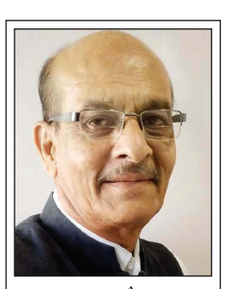
सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

लोकसभा का चुनाव वेध या अवैध?



सनत जैन



भारत की राजनीति में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। अभी तक कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलकर एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे। लेकिन अब राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और वैध नहीं था। यह आरोप भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती बनकर सामने आया है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के कथित दुरुपयोग, मतदाताओं की संख्या में बदलाव, मतदान प्रतिशत के आंकड़ों और चुनाव आयोग के सिस्टम के केंद्रीकरण जैसे मुद्दे प्रमाणों के साथ उठाए हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट और सामने आए विभिन्न प्रमाणों का हवाला देते हुए आरोप लगाया। चुनाव से पहले ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदाता सूची और चुनावी आंकड़ों में हेरफेर की गई थी। उनका दावा है, चुनावी व्यवस्था में बदलाव करके परिणामों को प्रभावित किया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और न्यायिक पुष्टि नही है। भाजपा और चुनाव आयोग की ओर से इन आरोपों पर तथ्यात्मक जवाब देखकर राहुल गांधी के आरोपों का अब सार्वजनिक रूप से खंडन करना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया, भाजपा ने 2014 के बाद से चुनाव जीतने के लिए अरबों रुपये खर्च किए। एसआईआर के माध्यम से लगभग 14 करोड़ मतदाताओं के मतदान का अधिकार छीन लिया है।

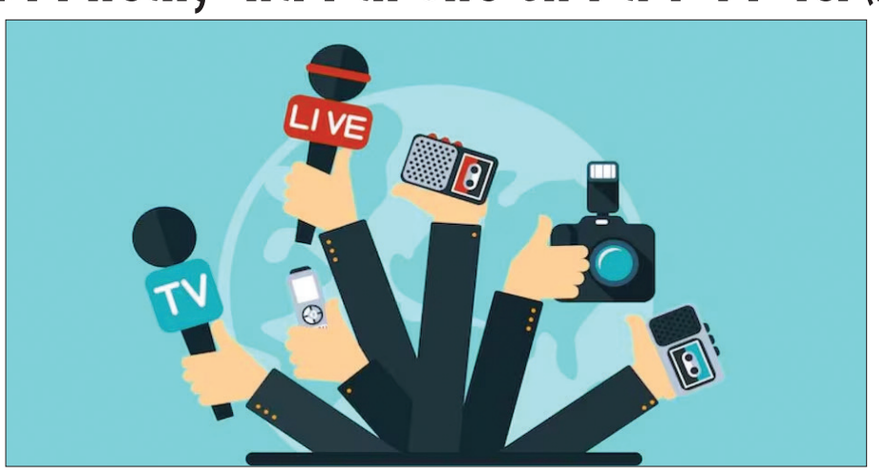
सवाल यह है कि यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और चुनाव परिणामों को लेकर संदेह पैदा होता है, तो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कैसे कायम रहेगा? दूसरी ओर, किसी चुनाव को अवैध घोषित करना केवल राजनीतिक आरोप से संभव नहीं है। इसके लिए संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया में ठोस प्रमाण भी आवश्यक हैं। इस पूरे विवाद का दूसरा पहलू देश में बदलता राजनीतिक वातावरण है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के चुनावी प्रदर्शन ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी थी। अब महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बढ़ते कर्ज और रोजमर्रा की आर्थिक परेशानियों ने आम आदमी की चिंताएं बढ़ाई हैं। जिस अच्छे दिन की उम्मीद के साथ जनता ने मोदी जी को समर्थन दिया था, वह उम्मीद और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच अंतर को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। नोटबंदी, जीएसटी और विभिन्न करों का बोझ भी आम जनता की चर्चा का विषय बन चुका है। पहले प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ और उनके प्रति दिखाई देने वाला विश्वास, भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत था। अब विभिन्न मुद्दों पर जनता के आंदोलन और विरोध यह संकेत देते हैं, मतदाता पहले की तुलना में अधिक सवाल पूछ रहा है। जो स्वाभाविक परिवर्तन का संकेत है।

राहुल गांधी की राजनीति में पिछले कुछ समय में राजनीतिक तौर पर आक्रामकता और सक्रियता बढ़ी है। वे अब केवल कांग्रेस की राजनीतिक विरासत के सहारे नहीं, बल्कि चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और आम आदमी के अधिकारों जैसे मुद्दों को लेकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी मंचों और हाल ही में हैदराबाद की भारत समिट में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने से यह बहस राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर भी पहुंचने लगी है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और कार्यपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होती है। इन संस्थाओं पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और प्रमाणों के आधार पर जवाब देना भी सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए उतना ही आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव को वैध या अवैध बताने का अंतिम निर्णय राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अनुसार ही हो सकता है। सरकार को राहुल गांधी के आरोपों को केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी ताकत सत्ता नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। यदि यह विश्वास कमजोर होता है तो उसका राजनीतिक असर आने वाले चुनावों में दिखाई देना स्वाभाविक है। राहुल गांधी और विपक्ष ने जिस तरीके से जन संसद का आयोजन किया। जिस तरीके से रामलीला मैदान में आम जनता को जोड़ते हुए शक्ति प्रदर्शन किया है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। सरकार और संस्थाओं को जवाब देने के लिए सामने आना होगा।

पत्रकारिता, नैतिकता और लोकतंत्र की परीक्षा



योगेश कुमार गोयल



लोकतंत्र का ऑक्सीजन है प्रेस...

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखने तथा उसका सम्मान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस एक वैधानिक और अर्ध-न्यायिक प्रतिष्ठान के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को स्वीकार करने तथा सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, जो देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है और इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत में प्रथम प्रेस आयोग ने 1956 में एक समिति की कल्पना की थी और 10 वर्ष बाद 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की, जिसने 16 नवम्बर 1966 को अपना कार्य शुरू किया। उसी के बाद से प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारतीय प्रेस परिषद देश में स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए एक नैतिक प्रहरी के रूप में सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है तथा यह भी सुनिश्चित करती है कि देश में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस वास्तव में प्रेस की स्वतंत्रता तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से देश में प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां प्रेस ने लोगों में राष्ट्रीय चेतना की भावना जागृत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, वहीं स्वतंत्रता के बाद भी अनेक अवसरों पर सिद्ध होता रहा है कि प्रेस के बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है। पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को दुनिया की कई महान् हस्तियों ने अपने-अपने शब्दों में रेखांकित किया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा के शब्दों में कहें तो प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के मुताबिक हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है, जिसे खोये बिना सीमित नहीं किया जा सकता। अमेरिका के जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विख्यात पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट का कहना था कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी कहते थे कि एक राष्ट्र, जो अपने लोगों को एक खुले बाजार में सच्चाई और झूठ का न्याय करने से डरता है, वह एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपने लोगों से डरता है। ब्रितानी कंजर्वेटिव पार्टी के राजनेता, लेखक तथा दो बार प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन डिसरायली का कहना था कि प्रेस न केवल स्वतंत्र है बल्कि शक्तिशाली भी है और वह शक्ति हमारी है। नेल्सन मंडेला ने भी एक स्वतंत्र प्रेस को लोकतंत्र के स्तंभों में से एक बताया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता को एक ऐसा अनमोल विशेषाधिकार बताया था, जिसे कोई भी देश नहीं छोड़ सकता।

प्रेस से जुड़े लोगों के कंधों पर समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और चूंकि प्रेस को समाज का दर्पण माना गया है, अतः उस दर्पण में हम जनता को जो कुछ दिखाएंगे, वही उसे नजर आएगा। इसलिए प्रेस जगत के लोगों से समाज के हर वर्ग को यही उम्मीद होती है कि उनका चरित्र अच्छा हो, उनके लेखन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हो तथा वे ऊंचे आचार सिद्धांतों को अपनाएं। कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि प्रेस के निम्नलिखित प्रमुख दायित्व माने गए हैं लेकिन यदि पत्रकार स्वयं भ्रष्ट व गैर जिम्मेदार होंगे तो न वे निष्पक्षता के साथ अपनी बात कहने में सक्षम होंगे और न ही समाज के सामने कोई आदर्श तस्वीर प्रस्तुत कर सकेंगे।

पत्रकार जनता का ऐसा प्रतिनिधि होता है, जो जनता द्वारा चुना तो नहीं जाता लेकिन उसकी समस्याओं को उसके चुने गए प्रतिनिधियों के सामने समाधान के लिए प्रस्तुत करने का बड़ा माध्यम होता है। अतः यदि प्रेस प्रतिनिधि समाज के कमजोर व शोषित वर्ग की आवाज उठाने के बजाय निहित स्वार्थों के चलते केवल सत्ता से ही प्रेम संबंध बनाने के प्रयासों में लगा रहेगा तो यह प्रेस की विश्वसनीयता के लिए ही घातक सिद्ध होता है। बहरहाल, राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा, समृद्धि व विकास, राष्ट्रीय अखंडता तथा जन जागरण की ओर अग्रणी रहने हेतु प्रेस को अपनी बहुआयामी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

सम्भल में 37 स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा 279वां मुख्यमंत्री आरोग्य मेला 2356 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार





सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार 15 नवंबर को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 9 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 279वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 38 चिकित्सकों और 136 पैरामेडिकल स्टाफ ने कुल 2356 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1105 पुरुष 856 महिलाएं और 398 बच्चे शामिल रहे। मेले में आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत 39 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। स्वास्थ्य शिविरों में बुखार के 289 चर्म रोग के 409 दमा के 304 मधुमेह के 107 नेत्र रोग के 37 और उच्च रक्तचाप के 95 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इसके अलावा अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को भी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

बुखार से पीड़ित 35 मरीजों की मलेरिया और 17 मरीजों की डेंगू जांच की गई। सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव आई। परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अलग काउंटर बनाए गए जहां लोगों को परामर्श देने के साथ परिवार नियोजन सामग्री उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं ने सोर्स रिडक्शन और संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 212 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। वहीं 75 मरीजों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया।

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर संभल में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस





बहजोई /संभल (सब का सपना):- भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण करके किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम के दौरान सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया। सभागार में मौजूद अधिकारियों शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री का संबोधन देखा और सुना। इसके बाद विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बहजोई इंटर कॉलेज बहजोई चंद्रपाल इंटर कॉलेज बहजोई हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज बहजोई और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बहजोई की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन परिचय और उनके संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने साहस त्याग और संघर्ष के माध्यम से जनजातीय समाज के अधिकारों एवं उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई। उनका जीवन राष्ट्रप्रेम और समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़कर समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान दें। राजकीय विद्यालय सिकंदरपुर के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने भी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। महापुरुषों के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार ने सभी अतिथियों अधिकारियों शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एसएन शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार बहजोई इंटर कॉलेज के प्रवक्ता मुकेश कुमार शर्मा चंद्रपाल इंटर कॉलेज के पंकज कुमार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद, एसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था





बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को थाना रजपुरा क्षेत्र के ग्राम सिसौना डाण्डा स्थित गंगा घाट पर 15 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने गंगा घाट पहुंचकर मेले की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस बल की तैनाती, मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल गंगा मेले में जनपद सम्भल के अलावा आसपास के जनपदों और दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पूरे मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टर एवं जोन में विभाजित किया है। प्रत्येक सेक्टर में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही मेले की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलग से मेला थाना स्थापित कर थाना प्रभारी सहित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी अपने निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर पूरी सतर्कता के साथ मुस्तैद रहें। मेला क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखें। उन्होंने भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, गंगा घाटों पर निगरानी तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को गंगा स्नान, पूजा-अर्चना एवं दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के साथ सहयोगात्मक व्यवहार रखें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहें। पुलिस प्रशासन द्वारा पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया गया है, जिससे दस दिवसीय कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेला शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। सम्भल पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने का दावा किया है।

यातायात माह के तहत रोडवेज बस चालकों और परिचालकों को किया जागरूक

बस चलाते समय मोबाइल का प्रयोग और तेज रफ्तार से बचने की दी सलाह, कोहरे में लो बीम लाइट का करें इस्तेमाल



सम्भल(सब का सपना):- रविवार को जनपद में यातायात माह के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संभल रोडवेज बस स्टैंड पर जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक यातायात दुष्यन्त बालियान के मार्गदर्शन में मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने सरकारी रोडवेज बसों के चालक एवं परिचालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी।

इस दौरान मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने बस चालकों और परिचालकों को यातायात नियमों से संबंधित पंपलेट वितरित किए और उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बस चालक को समय-समय पर अपने नेत्रों का परीक्षण कराना चाहिए, ताकि वाहन चलाते समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। बस चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए और न ही तेज गति से बस चलानी चाहिए। नशे की हालत में वाहन चलाना बेहद खतरनाक है। इसके अलावा नींद या थकान महसूस होने पर भी बस नहीं चलानी चाहिए।

उन्होंने चालकों को बताया कि बस को निर्धारित स्टॉप पर ही रोकें। बीच सड़क पर बस खड़ी करने से जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और अन्य वाहन चालकों एवं राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। आने वाले समय में कोहरे का मौसम शुरू होने वाला है, ऐसे में बस चालकों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कोहरे के दौरान वाहन की लाइट लो बीम पर रखें, दूसरे वाहनों से उचित दूरी बनाकर चलें और सड़क पर बनी सफेद पट्टियों को ध्यान में रखते हुए वाहन चलाएं।

इसके साथ ही बस में आग बुझाने वाला अग्निशमन उपकरण, प्राथमिक उपचार के लिए फर्स्ट एड बॉक्स तथा आपातकालीन खिड़की की उपलब्धता सुनिश्चित रखने की जानकारी दी गई। मुख्य आरक्षी ने सड़क पर बने विभिन्न यातायात संकेतों के बारे में भी विस्तार से समझाया। उन्होंने आदेशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक सड़क चिन्हों की जानकारी देते हुए बताया कि वाहन चलाते समय इन संकेतों का पालन करना प्रत्येक चालक की जिम्मेदारी है।

अंत में उन्होंने बस चालकों को समझाया कि बस चलाते समय केवल अपनी ही नहीं, बल्कि उसमें सफर कर रहे सभी यात्रियों की जान की जिम्मेदारी भी चालक के हाथों में होती है। इसलिए यातायात नियमों का पालन करते हुए सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

इस दौरान यातायात पुलिस की ओर से सभी चालकों एवं परिचालकों से यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, जीवन अनमोल है।

पुरानी रंजिश में हुई थी युवक की हत्या, आरोपियों की निशानदेही पर छुरा बरामद



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम जैरोई हयातनगर में दीपावली के दिन पटाखे छोड़ने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक छुरा भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार पीड़ित अनमोल पुत्र भूपसिंह निवासी ग्राम जैरोई हयातनगर थाना बहजोई के भाई प्रमोद और विपक्षी पक्ष के सुदेश आदि के बीच शराब पीने के बाद विवाद हुआ था। इस मामले में बहजोई पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों का शांति भंग की आशंका में चालान किया था। इसी रंजिश को लेकर घटना से दो दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच गांव में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की थी। आरोप है कि 8 नवंबर को शाम करीब 7:30 बजे प्रमोद अपने परिवार के साथ घर पर दीपावली का त्योहार मना रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अरुण, पप्पू उर्फ राजकुमार, सुदेश, विजय, इंद्रेश और हरिराम उसके घर के सामने पटाखे छोड़ रहे थे। प्रमोद ने घर के सामने पटाखे छोड़ने से मना किया तो आरोपियों ने एकराय होकर हाथों में छुरा, डंडे और फावड़ा लेकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट करते हुए आरोपी प्रमोद के घर में भी घुस गए।

शोर सुनकर प्रमोद के भाई अनमोल और गौतम मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी जमकर मारपीट की, जिसमें प्रमोद गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के काफी लोग मौके पर एकत्र हो गए और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। इसके बाद अनमोल की तहरीर पर थाना बहजोई में अरुण, पप्पू उर्फ राजकुमार, सुदेश, विजय, इंद्रेश और हरिराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

विवेचना और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 103(1)/3(5) बीएनएस तथा 4/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई। मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक बहजोई राजीव कुमार मलिक द्वारा की जा रही थी।

इसी क्रम में शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे रेलवे लाइन के पास से आरोपी अरुण पुत्र दिनेश, पप्पू उर्फ राजकुमार पुत्र हरिराम, सुदेश पुत्र हरिराम और विजय पुत्र हरिराम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक छुरा भी बरामद किया है। पुलिस द्वारा आरोपियों को न्यायालय के समक्ष रिमांड के लिए पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई।

हाईवे पर दौड़ती कार में लगी भीषण आग, देखते ही देखते जलकर हुई राख

कार सवार दो लोगों ने कूदकर बचाई जान, दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर पाया काबू



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर चंदौसी रोड स्थित पेट्रोल पंप के आगे शनिवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार से धुआं उठता देख उसमें सवार दो लोगों में हड़कंप मच गया। दोनों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और कार जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार जुनावई थाना क्षेत्र के गांव रत्तीपुर टोडी निवासी खेमपाल अपने एक साथी के साथ हुंडई आई-10 कार से पंवासा क्षेत्र के गांव सेमरा जा रहे थे। शनिवार शाम करीब 7:30 बजे उनकी कार आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर चंदौसी रोड स्थित पेट्रोल पंप के आगे पहुंची, तभी अचानक कार की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हो गया। देखते ही देखते कार से धुआं निकलने लगा और कुछ ही देर में आग की लपटें उठने लगीं।

कार में आग लगती देख चालक और उसके साथी ने तत्काल कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इसके बाद राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना दमकल विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति संभाली। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो चुकी थी।

चलती कार में आग लगने की घटना को देखकर हाईवे पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते कार सवारों के बाहर निकल आने से बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

डिडौली क्षेत्र में 14 साल की नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने का मामला, भाई की शिकायत पर युवक के खिलाफ केस दर्ज



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में एक 14 साल की नाबालिग युवती को पड़ोसी गांव के एक युवक द्वारा बहला फुसला कर ले जाने का मामला सामने आया है इस मामले में पुलिस ने युवती के भाई की शिकायत पर पड़ोस के गांव निवासी युवक नितिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बता दें कि डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से 14 साल की नाबालिग युवती को पड़ोसी गांव का युवक अपने साथ ले गया। युवती के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की है इस मामले में परिजनों के मुताबिक, 12 नवंबर की सुबह युवती घर से लापता हो गई। आरोप है कि सरकड़ी अजीज गांव का नितिन, राजेश का बेटा, उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।युवती के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद परिवार ने 14 नवंबर को डिडौली कोतवाली में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने नितिन, निवासी सरकड़ी अजीज, थाना डिडौली के खिलाफ नाबालिग के अपहरण का केस दर्ज किया है। पुलिस युवती की तलाश कर रही है।

डिडौली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि युवती के बड़े भाई की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माँ गंगा के तट पर भाकियू (शंकर) की पंचायत, श्रद्धालुओं की सेवा के लिए चलेगा अन्न एवं चाय का भंडारा

गंगा मेले में श्रद्धालु अनुशासन और सावधानी के साथ करें स्नान, प्रशासन का करें सहयोगः- चौधरी दिवाकर सिंह



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पवित्र पतित पावनी मां गंगा के तिगरी तट पर रविवार दोपहर 12 बजे सेक्टर-5 में टेंट सिटी के निकट भारतीय किसान यूनियन शंकर की एक महत्वपूर्ण पंचायत आयोजित की गई। पंचायत की अध्यक्षता राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह ने की तथा संचालन प्रदेश प्रवक्ता सतवीर सिंह ने किया।

बता दें कि पंचायत को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन शंकर सदैव किसान, मजदूर और आमजन के हितों के लिए संघर्षरत रहा है। संगठन की कार्यशैली में जनसेवा और सेवा भाव सर्वोपरि है। इसी भावना के अंतर्गत प्रतिवर्ष मां गंगा के पावन तट पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के लिए संगठन द्वारा सभी के सहयोग से अन्न भंडारे एवं चाय भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी मां गंगा मैया के आशीर्वाद से श्रद्धालुओं की सेवा का यह पुनीत कार्य निरंतर जारी रहेगा।उन्होंने गंगा मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि मां गंगा में स्नान करते समय अनुशासन एवं सावधानी बनाए रखें। कोई भी श्रद्धालु गहरे पानी में जाने का जोखिम न उठाए। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा पुलिस एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए प्रशासन को पूरा सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे एवं अन्य दुर्व्यसनों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा समाज और राष्ट्र के सकारात्मक कार्यों में लगाएं।चौधरी दिवाकर सिंह ने किसानों की प्रमुख समस्या उठाते हुए कहा कि पिछले वर्ष भी गंगा स्नान के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को गन्ने के मूल्य में वृद्धि की सौगात देकर खुशी दी थी। इस वर्ष भी प्रदेश के किसान सरकार से ऐसी ही उम्मीद लगाए बैठे हैं। भारतीय किसान यूनियन शंकर की मांग है कि प्रदेश सरकार गुरु पूर्णिमा एवं गुरु पर्व के अंतिम स्नान से पूर्व ही किसानों के हित में गन्ने का मूल्य 550 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करे, ताकि अन्नदाता किसानों के घरों में भी खुशहाली और उत्साह का माहौल बन सके।पंचायत की अध्यक्षता कर रहे चौधरी धर्मवीर सिंह ने संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गंगा मेले में आयोजित सेवा शिविर में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। शिविर एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा जहां भी पुलिस एवं प्रशासन को सहयोग की आवश्यकता हो, संगठन के कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ सहयोग के लिए तत्पर रहें।इस अवसर पर शेर सिंह राणा, चौधरी नेमपाल सिंह, राहुल यादव, सतवीर सिंह, विक्रम पंवार, सुंदर सिंह, अनिल भटनागर, सुखबीर भगत, डॉ. गोपाल सिंह, चंदरपाल सिंह, चौधरी सुरेंद्र सिंह, रणवीर सिंह, समरपाल सिंह, महीपाल सिंह, सुरेश बिश्नोई, पंकज बिश्नोई, नवलवीर सिंह, बबीता रानी, मंजू देवी, लवली यादव, नीतू चौधरी, अशोक चौधरी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।भारतीय किसान यूनियन शंकर ने संकल्प दोहराया कि संगठन किसानों के अधिकारों की लड़ाई के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के कार्यों में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

तिगरी मेला को सकुशल संपन्न कराने हेतु एडीजी बरेली जोन ने पुलिस बल को किया ब्रीफ, मुख्यमंत्री के निदेशों का कराया अनुपालन





अमरोहा (सब का सपना):- तिगरी मेला-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन, बरेली एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद व पुलिस अधीक्षक अमरोहा एवं जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा मेला ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये निदेशों एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में ब्रीफ किया गया। रविवार को अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन, बरेली रमित शर्मा एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद अजय कुमार साहनी तथा पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव एवं जिलाधिकारी अमरोहा डॉ० नितिन गौड़ द्वारा कोतवाली तिगरी मेला परिसर में तिगरी मेला-2026 की सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ब्रीफिंग की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा तिगरी गंगा मेला-2026 के संबंध में आयोजित बैठक में दिए गए निदेशों एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं के संबंध में भी सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तार से अवगत कराते हुए उनके प्रभावी अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही मेले के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए पुलिस एवं प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया तथा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए कि सभी पुलिसकर्मी निर्धारित समय पर ड्यूटी स्थल पर पहुंचें तथा साफ-सुथरी वर्दी धारण कर अनुशासन बनाए रखें। ड्यूटी पर पहुंचने से पूर्व अपने ड्यूटी स्थल एवं दायित्वों की भली-भांति जानकारी प्राप्त कर लें। किसी प्रकार की शंका होने पर सक्षम अधिकारी से समाधान कराएं। प्रत्येक परिस्थिति में दृढ़ता, शालीनता एवं निष्पक्षता के साथ कार्य करें तथा श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार रखें। किसी के साथ दुर्व्यवहार अथवा अशिष्ट भाषा का प्रयोग न करें। असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखें तथा छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष सतर्कता बरतें। महिला श्रद्धालुओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु महिला पुलिसकर्मी तत्पर रहें। प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं। अपने ड्यूटी स्थल के आसपास के संभ्रांत व्यक्तियों के नाम एवं मोबाइल नंबर अपने पास रखें। किसी भी घटना की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। ड्यूटी के दौरान दंगा नियंत्रण उपकरण, टॉर्च एवं अन्य आवश्यक संसाधन अपने साथ रखें। श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु विशेष सतर्कता बरतें। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की गई कि वे अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निदेशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करें तथा तिगरी मेला-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

द आर्यन्स में एक्सपर्ट लीड टॉक पर कार्यशाला का आयोजन





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के द आर्यन्स, जोया में विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं तकनीकी कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से संगणकीय सोच (उङ्कस्त्र४३३ङ्कल्ल' ढँल्ल्ल'ल्लें) एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अ१३ू' क्ल्लश्रे'ँल्लीू) विषय पर एक विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद अमरोहा के लगभग 13 स्कूलों (द आर्यन्स जोया, ए.एस.एम. मॉडर्न एकेडमी,मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल, एस.बी.एम. पब्लिक स्कूल, दिल्ली आइडियल पब्लिक स्कूल, डब्ल्यू.टी.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल,सेंट एंथोनी स्कूल, ग्राम रहराई, अमरोहा, दिल्ली पब्लिक स्कूल, अतरासी रोड, के.के. चिल्ड्रेन एकेडमी, जोया, अमरोहा, जे.पी. नगर, नॉर्दर्न इंडिया पब्लिक स्कूल, शंकर स्कॉलर्स एकेडमी, सृजन पब्लिक स्कूल के 48 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रवीण शर्मा एवं शीश कमल मिश्रा ने शिक्षकों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।

विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान में संगणकीय सोच की अवधारणा, समस्या समाधान की तार्किक प्रक्रिया, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की कार्यप्रणाली को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अकशिक्षा, चिकित्सा, संचार, उद्योग एवं अनुसंधान सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विद्यार्थियों को इसके व्यावहारिक उपयोग, संभावनाओं तथा जिम्मेदार एवं सुरक्षित प्रयोग के विषय में भी जागरूक किया गया।

व्याख्यान के दौरान शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विशेषज्ञों से विभिन्न प्रश्न पूछे तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, रचनात्मकता, समस्या समाधान की क्षमता और आधुनिक तकनीक के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा।

इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह एवं अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक अमन लिट्ट और गौरव चौधरी ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षकों को नई तकनीकों से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संगणकीय सोच भविष्य की शिक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। विद्यार्थियों को इन तकनीकों का ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ उनका रचनात्मक, नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग करना भी सीखना चाहिए।

इस अवसर पर समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। शिवानी सरोहा, सरिता, ममता, चांदनी बत्रा,नाहिद नकवी, गुलफशा, नेहा खान, मोनिका विश्नोई, अंजलि चौधरी, शालिनी वर्मा आदि उपस्थित रहे '

जिला संयुक्त चिकित्सालय का निरीक्षण, सुविधाओं पर संतुष्टि



अमरोहा (सब का सपना):- मण्डलीय अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मुरादाबाद मण्डल डॉ. निशी सिंह ने जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा का व्यापक निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकान्त सागर एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार भण्डारी के साथ उन्होंने ओपीडी, एनसीडी ओपीडी, जनरल वार्ड, एनआरसी, जेरियाट्रिक वार्ड, एक्स-रे, सीटी स्कैन, स्टोर, आकस्मिक विभाग, गायनी विभाग, एसएनसीयू, आईसीयू एवं ब्लड बैंक का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान सभी स्टाफ निर्धारित वेशभूषा में मौजूद मिले। वार्डों में बिस्तर साफ-सुथरे थे तथा नर्सिंग स्टेशन पर आवश्यक दवाएं व उपकरण उपलब्ध थे। एनआरसी में कुपोषित बच्चों का उपचार हो रहा था। जेरियाट्रिक वार्ड के मरीजों ने समय पर दवाएं, इंजेक्शन एवं निःशुल्क भोजन मिलने की पुष्टि की। एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड मशीनें क्रियाशील थीं तथा सीटी स्कैन पीपीपी मोड पर सुचारू रूप से संचालित था। आकस्मिक विभाग में जीवन रक्षक दवाएं व ऑक्सीजन सिलेंडर पर्याप्त थे। मरीज सुविधाओं से संतुष्ट पाए गए।

गायनी विभाग में प्रतिमाह लगभग 100 एलएससीएस एवं 150 सामान्य प्रसव हो रहे हैं। एसएनसीयू में 15 नवजात भर्ती थे। अपर निदेशक ने एनआरसी में बेड ऑक्युपेंसी बढ़ाने, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के लिए पृथक कक्ष, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती हेतु जिलाधिकारी से समन्वय, बायोमेडिकल वेस्ट का सही निस्तारण, आईसीयू में संक्रमण नियंत्रण प्रशिक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था, ब्लड बैंक में पर्याप्त स्टॉक तथा निजी अस्पतालों जैसी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों से मधुर व्यवहार व शासन की सभी सुविधाओं का समय से अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के समय प्रभारी मैट्रन शबनम यादव, चीफ फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार समेत अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की स्वः गणना आज से शुरू



अमरोहा (सब का सपना):- भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का आरंभ कल 16 नवम्बर 2026 से हो रहा है। जनगणना निदेशालय द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार प्रथम फेस में स्वः गणना कराई जाएगी, जिसके लिए दिनांकवार कार्यक्रम जारी किया गया है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के आदेशों के अनुपालन में नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने स्वः गणना के लिए दिनांकवार रोस्टर जारी कर दिया है। इस रोस्टर के अनुसार पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दैनिक गतिविधियों के लिए ड्यूटी पर लगाया गया है। ये पालिका कर्मी आज से निर्धारित चार्ट के अनुरूप अमरोहा चार्ज क्षेत्र में स्वः गणना का कार्य करेंगे। जनगणना निदेशालय के निदेशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

बाल दिवस पर रामकिशोर सिंह इण्टर कॉलेज में विधिक जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों ने खेल गतिविधि से सीखे अधिकार



अमरोहा (सब का सपना):- बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव/जज साहब अभिषेक कुमार व्यास (उखरऊ) के निदेर्शानुसार रामकिशोर सिंह इंटर कॉलेज, नसीरपुर, अमरोहा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके मौलिक एवं कानूनी अधिकारों, सुरक्षा तथा निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में बच्चों को बाल दिवस के महत्व एवं इसके उद्देश्यों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मान एवं समान अवसर प्राप्त करने का अधिकार है। साथ ही जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।कार्यक्रम को रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए बच्चों के साथ 'समस्या से समाधान' खेल गतिविधि आयोजित की गई। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को खुलकर साझा करने, उनके समाधान तलाशने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को पॉक्सो अधिनियम एवं बाल संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न अथवा अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है।कार्यक्रम में अधिकार मित्र लोकमान सिंह, महेश सिंह एवं कालेज प्रबंधक मनोज कुमार,संजय कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को जागरूक, आत्मविश्वासी एवं सुरक्षित भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए उनके अधिकारों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

द ऑकोनिक स्कूल, जलालपुर खुर्द में दीपावली पर छात्राओं ने बनाई रंगोली



अमरोहा (सब का सपना):- द ऑकोनिक स्कूल, जलालपुर खुर्द में देश के प्रथम प्रथम प्रधानमंत्री जबाहरलाल नेहरू की जयतंती के उपलक्ष्य में बाल दिवस बड़े ही धूमधामं और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और उनके सवार्गीण विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक धारीवाल, डायरेक्टरर, द ऑकोनिक स्कूल, जलालपुर खुर्द एवं स्कूल के प्रधानाचार्य बाबू खान द्वारा चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए शिक्षकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दीपक धारीवाल ने कहा कि बच्चे ही देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्हें सही मार्गदर्शन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। वहीं, प्रधानाचार्य बाबू खान ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्धार्थियों को मिठाई वितरित की।

डिडौली क्षेत्र में चलती गाड़ी का पहिया निकलने से रेलिंग से टकराई, वाहन क्षतिग्रस्त, चालक सुरक्षित





डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर एक चलती पिकअप गाड़ी का पिछला पहिया अचानक निकल जाने से गाड़ी अनियंत्रित होकर हाईवे पर लगी पर रेलिंग से जा टकराई जिससे गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।गनीमत रही कि इस हादसे में चालक को कोई हानि नहीं पहुंची और वह सुरक्षित रहा। बता दें कि पूरा मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र का है जहां रविवार को ढकिया चमन गांव में सागर रतना रेस्टोरेंट के सामने मुरादाबाद की ओर से आ रही पिकअप का पिछला पहिया निकल गया। गाड़ी सड़क पर कुछ दूरी तक घिसटती चली गई और क्षतिग्रस्त हो गई।गनिमत रही कि इस हादसे में चालक सुरक्षित रहा। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। पिकअप चालक की पहचान फिरोज (करीब 30) के रूप में हुई है। वह रजबपुर थाना क्षेत्र के अतरासी गांव का रहने वाला है।घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उस समय कोई दूसरा वाहन या राहगीर पिकअप की चपेट में नहीं आया।

बाल दिवस पर मेरी एंड जीसस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विशाल बाल मेले का आयोजन

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दी शिक्षा की अलख





स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के स्योहारा स्थित ह्यमेरी एंड जीसस सीनियर सेकेंडरी स्कूलह्ल में बाल दिवस के अवसर पर एक भव्य और विशाल बाल मेले का आयोजन किया गया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले बाल दिवस के इस विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक सीसी सिंह और समाजसेवी यूनुस घोसी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रेस क्लब स्योहारा के महामंत्री नजम सिद्दीकी, प्रबंधक सीसी सिंह, प्रधानाचार्या अनीता सिंह और समाजसेवी यूनुस घोसी ने संयुक्त रूप से परिसर में पौधे रोपकर प्रकृति संवर्द्धन का संकल्प लिया और विधिवत रूप से मेले की शुरूआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं प्रेस क्लब स्योहारा के महामंत्री नजम सिद्दीकी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, "पंडित जवाहर लाल नेहरू बच्चों से अगाध प्रेम करते थे और देश का भविष्य बच्चों की शिक्षा एवं संस्कारों पर ही निर्भर है। 'मेरी एंड जीसस सीनियर सेकेंडरी स्कूल' द्वारा बाल दिवस पर इस प्रकार के आयोजनों से न केवल बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिलता है, बल्कि उनमें व्यावहारिक ज्ञान, अनुशासन और सामाजिकता की भावना भी विकसित होती है। बाल मेले के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सुंदर और आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके साथ ही नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने नृत्य और कला के जरिए शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया, जिसे उपस्थित दर्शकों और गणमान्य अतिथियों ने खूब सराहा।

समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक सीसी सिंह ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राएं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका रूही मलिक, इमेंन्वल, जेबा, और स्टूडेंट मिनी, वंश, आलिया, आशी, महिमा, अजिया, रुद्रश, मानव का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

मुठभेड़ में अंतरराज्यीय शराब दुकान चोर गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार, एक गोली लगने से घायल

पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हुआ मुख्य आरोपी, चोरी की नकदी, तमंचे, कार और शटर काटने के उपकरण बरामद





बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान अंतरराज्यीय शराब दुकान चोर गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में गिरोह का मुख्य आरोपी आस मोहम्मद उर्फ आशु पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश समेत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो तमंचे, चार जिंदा कारतूस, एक चाकू, चोरी की करीब 30 हजार रुपये की नकदी, शटर काटने के उपकरण और फर्जी नंबर प्लेट लगी सफेद स्विफ्ट कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, हल्दौर थाना क्षेत्र के पोखर बाजार और बालकिशन चौराहे से गंज रोड स्थित शराब की दुकानों में शटर काटकर चोरी की घटनाएं हुई थीं। सर्विलांस टीम और सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान की थी। शनिवार रविवार की रात मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपी कुंडा नहर की तरफ से किसी अन्य वारदात को अंजाम देने के इरादे से आ रहे हैं। सूचना पर हल्दौर पुलिस ने कुंडा नहर की पुलिया के पास चेकिंग शुरू कर दी।

इसी दौरान सफेद रंग की स्विफ्ट कार आती दिखाई दी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो कार सवार बदमाश पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर कुम्हारपुरा नहर की पुलिया के पास कार को रोक लिया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें आस मोहम्मद उर्फ आशु पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आस मोहम्मद उर्फ आशु पुत्र जरीफ उर्फ सुके निवासी ग्राम भोजपुर थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद, कार्तिक शर्मा पुत्र प्रमोद शर्मा निवासी ग्राम लतीफपुर तिबड़ा थाना मोदीनगर जनपद गाजियाबाद तथा अतुल त्यागी पुत्र सुरेंद्र त्यागी निवासी ग्राम मंडोला थाना ट्रोनिका सिटी जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई है। घायल आस मोहम्मद को उपचार के लिए सीएचसी हल्दौर ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने 2 नवंबर को हल्दौर क्षेत्र की शराब की दो दुकानों के शटर काटकर करीब 30 हजार रुपये की नकदी चोरी करना स्वीकार किया। इस संबंध में हल्दौर थाने में मुकदमा संख्या 294/2026 और 295/2026 दर्ज हैं। आरोपियों ने बिजनौर जनपद के नजीबाबाद क्षेत्र में भी शराब की दुकानों में चोरी की घटना करना स्वीकार किया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम देने की बात बताई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, चार जिंदा कारतूस, एक चाकू, चोरी की नकदी, शटर काटने के उपकरण (बोल्ट कटर व पेचकस आदि) तथा घटना में प्रयुक्त सफेद रंग की स्विफ्ट कार बरामद की है। कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, बुलंदशहर सहित विभिन्न जनपदों में चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मुठभेड़ के संबंध में हल्दौर थाने में अलग से मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में हल्दौर थाना प्रभारी शेर सिंह, उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार, उपनिरीक्षक गुरुवरण सिंह, उपनिरीक्षक सतेंद्र सिंह सहित सर्विलांस टीम के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

शराब की दुकानों के खिलाफ ग्रामीणों का हल्ला बोल, 45 दिन में हटाने का आश्वासन

किसान यूनियन अराजनैतिक के नेतृत्व में ग्रामीणों ने दिया धरना, महिलाओं की परेशानी और सड़क पर जाम का उठाया मुद्दा



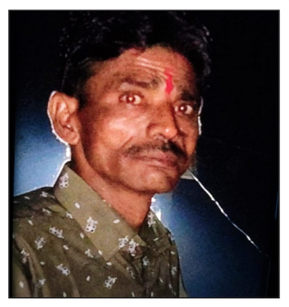


बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम रवाना शिकारपुर में संचालित सरकारी अंग्रेजी और देशी शराब की दुकानों को हटवाने की मांग को लेकर रविवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारियों के नेतृत्व में ग्रामीण पुरुषों और महिलाओं ने दोनों शराब की दुकानों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने दुकानों को गांव से हटाकर अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठाई। मौके पर पहुंचे आबकारी विभाग और पुलिस अधिकारियों ने 45 दिनों के भीतर दोनों दुकानों को दूसरी जगह स्थानांतरित कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।धरना दे रहे ग्रामीणों का आरोप था कि शराब की दुकानों पर आने वाले कुछ लोग शराब पीकर गली-मोहल्लों में अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे गांव के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि शराब की दुकान के बिल्कुल नजदीक एक पूजनीय कुआं स्थित है, जहां गांव की महिलाएं और युवतियां शाम के समय दीपक जलाने तथा पूजा-अर्चना करने आती हैं। कुएं के पास शराब की दुकान होने के कारण वहां शराब पीने वालों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे महिलाओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने ताजपुर-कुमखिया मार्ग पर लगने वाले जाम की समस्या भी अधिकारियों के सामने रखी। उनका कहना था कि सड़क की चौड़ाई कम होने के बावजूद शराब खरीदने आने वाले लोग अपने वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है।मौके पर पहुंचे आबकारी विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को 45 दिनों के भीतर दोनों दुकानों को अन्य स्थान पर स्थानांतरित कराने का भरोसा दिलाया। वहीं, स्योहारा थाना प्रभारी परवेज कुमार ने दुकानों के स्थानांतरण तक सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानों पर दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगा दी है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

धरना-प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला सचिव लोकेंद्र सिंह, स्योहारा ब्लॉक अध्यक्ष आलोक नागर, ग्राम प्रधान प्रत्याशी दिलशाद अहमद, बृजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अब देखना यह है कि प्रशासन 45 दिनों के भीतर अपने आश्वासन को पूरा कर दोनों शराब की दुकानों को दूसरी जगह स्थानांतरित करा पाता है या नहीं।

आजाद कॉलोनी में 50 वर्षीय व्यक्ति ने फंदे पर झूल कर दी जान

सीएचसी पहुंचने पर डॉक्टर ने किया मृत घोषित,पुलिस ने पीएम को भेजा शव



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- लाइनपार स्थित आजाद कालोनी निवासी 50 वर्षीय रामकुमार ने शनिवार रात घर में दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि किसी बात से रामकुमार नाराज हो गए थे। बताया जाता है कि शनिवार रात करीब आठ बजे रामकुमार ने घर में फंदा लगा लिया। काफी देर तक कोई हलचल न होने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। आनन-फानन में परिजन उन्हें लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे,जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जानकारी जुटाई।एसआई प्रशांत कुमार ने बताया कि मृतक के दो बेटों व दो दामादों व एक अन्य व्यक्ति की मौजूदगी में रामकुमार के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर मोर्चरी भेज दिया गया है। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। सीओ आलोक सिंह का कहना है कि अभी इस मामले में कोई सूचना नहीं मिली है।तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारिता में मान-मयार्दा और स्वाभिमान बनाए रखने का आह्वान

नए सदस्यों हर्ष यादव और प्रीतम राठौड़ का फूल-मालाओं से किया स्वागत





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन (पंजी.) की मासिक बैठक रविवार को संगठन के पंजीकृत कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में संगठन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रतेंद्र बिश्नोई ने पत्रकारों से मान-मयार्दा और स्वाभिमान के साथ निष्पक्ष एवं तथ्यपरक पत्रकारिता करने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. रतेंद्र बिश्नोई ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में आए दिन कुछ गलत लोगों के प्रवेश से समाज का दर्पण कही जाने वाली पत्रकारिता की छवि प्रभावित हो रही है। यह बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए तथ्यों के आधार पर निर्भीकता और स्वाभिमान के साथ पत्रकारिता करनी चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज वाल्मीकि ने कहा कि तथाकथित पत्रकारों द्वारा पत्रकारिता जैसे सम्मानजनक और सेवाभावी कार्य को बदनाम किया जा रहा है। ऐसे लोगों के खिलाफ शासन-प्रशासन से शिकायत कर कार्रवाई कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को बढ़ावा देने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी आवाज उठाई जानी चाहिए, ताकि समाज में सही संदेश जा सके।बैठक का संचालन धर्मेंद्र चौधरी ने किया। इस दौरान हर्ष कुमार यादव और प्रीतम राठौड़ ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों नए सदस्यों का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

बैठक में संरक्षक मुकेश त्यागी, महामंत्री धर्मेंद्र चौधरी, अफसार सिद्दीकी, डॉ. संदीप शर्मा, शमशाद महीगीर, राशिद उस्मानी, अक्षय चौहान, यासिर शम्सी, अश्वनी कुमार, प्रीतम सिंह राठौड़, हर्ष यादव, विकास अग्रवाल, होमेश कश्यप, रचित कुमार सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने और संगठन को मजबूत बनाने पर अपने विचार रखे।

देश की मूलनिवासी जनता को शासक वर्ग बनाना है:- डॉ के एस चौहान





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ के एस चौहान ने कहा कि पीपीआईडी का उद्देश्य देश की मूलनिवासी जनता को शासक वर्ग बनाना है। रविवार को एम एम इंटर कॉलेज में आयोजित मजदूर, किसान, नौजवान व महिलाओं की महागर्जना महारैली से पूर्व कार्यकताओं ने एम एम इंटर कॉलेज से प्रदर्शन करते हुए सिविल कोर्ट मुंसिफी के पास स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। एम एम इंटर कॉलेज के मैदान में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ के एस चौहान की अध्यक्षता में आयोजित महारैली में मुख्य अतिथि हेमराज पटेल ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य देश के संसाधनों का राष्ट्रीयकरण करना,समान शिक्षा व्यवस्था लागू करना करना है। प्रदेश महासचिव हरीश मौर्य व एड अभिनय कुमार के संचालन में आयोजित रैली में वक्ताओं ने मजदूरों,किसानों, नौजवानों व महिलाओं से जुड़े सामाजिक, आर्थिक व अधिकारों से संबंधित मुद्दों को उठाया। पीपल्स लेबर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर ललित कुमार ने कहा कि मजदूरों,किसानों, नौजवानों व महिलाओं का शोषण किया जा रहा है। सम्मानजनक मजदूरी नहीं मिल रही है।

विचार गोष्ठी में पीपीआईडी के जिलाध्यक्ष एड राजीव धीमान,गौरव धीमान,सुनील सैनी, सुनीता एन कुमार एड,नीलम सिंह,आर के विद्यार्थ, रवींद्र विद्यार्थी, रामकुमार, सरदार विरेंद्र सिंह, एड कामेश कुमार, एड ह्रदेश कुमार पाल,एस पी लोहिया,राजवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, सहदेव भारती, जसवंत सिंह सैनी ने विचार व्यक्त किए।

रात में घर से बुलाकर ले गए तीन युवक, सुबह आम के पेड़ पर लटका मिला लवी का शव





अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला गौहर अली खां निवासी एक युवक का शव रविवार सुबह ईदगाह के पास आम के बाग में पेड़ पर रस्सी से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों ने मोहल्ले के ही तीन युवकों पर मोबाइल फोन के विवाद में युवक को अपने साथ ले जाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक की मां सरोज देवी ने तीनों युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला गौहर अली खां निवासी पीड़िता सरोज देवी पत्नी बेगराज सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उसका पुत्र लवी दीपावली से पहले पंजाब के अमृतसर में पेंटर का काम करने गया था। बताया गया कि वह मोहल्ले के ही मन्नी पुत्र राजू,तन्तु पुत्र अमर सिंह और लक्की पुत्र धर्म सिंह के साथ उसका पुत्र काम किया करता था। आरोप है कि इसी दौरान युवकों ने लवी का मोबाइल फोन अपने पास रख लिया था। मोबाइल वापस मांगने पर उससे लगातार रुपयों की मांग की जा रही थी। मृतक की बहन दीपिका पुत्री बेगराज सिंह ने आरोप लगाया कि उसके भाई लवी से मौहल्ले के ही युवक मोबाइल दिलाने के बहाने लगातार दस हजार रुपए की मांग कर रहे थे। इससे पूर्व में भी मृतक की बहन ने बताया कि उसने अपने भाई लवी को पांच सौ रुपए दिए थे। बीती रात तीनों युवक उसके भाई लवी को अपने साथ ले गए थे। परिजनों का कहना है कि इसके बाद से लवी का कोई पता नहीं चला। रविवार सुबह करीब सात बजे मोहल्ले के लोगों ने ईदगाह के पास आम के बाग में एक पेड़ पर रस्सी से लटका लवी का शव देखा। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार सिंह और कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्टार मेड अस्पताल का संचालन मानकों के विरुद्ध, बच्चों के इलाज में लापरवाही, कार्यवाही की मांग

शामली (सब का सपना):- जनपद शामली में स्थित स्टार मेड अस्पताल पर चल रहा विवाद रुकने का नाम नहीं ले रहा है। कृषि विभाग जनपद शामली में तैनात सहायक विकास अधिकारी कृषि जयदेव कुमार ने आयुक्त मंडल सहारनपुर को शिकायती पत्र भेजकर जांच की मांग की है।एडीओ जयदेव कुमार ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि उनके पुत्र का जन्म 22 अक्टूबर को मां गोदावरी अस्पताल में हुआ था। जन्म के समय स्टार मेड अस्पताल की डॉ० प्रियंका गुप्ता शिशु की प्रारंभिक जांच हेतु बुलाई गई। जन्म के समय शिशु की समस्त महत्वपूर्ण क्रियाएं सामान्य थीं, जिस पर डॉ० प्रियंका गुप्ता ने शिशु की गंभीर हालत बताते हुए शिशु को अपने अस्पताल स्टार मेड की नर्सरी में भर्ती कर लिया। नर्सरी में पहले से ही गंभीर संक्रमित नवजात शिशुओं का इलाज चल रहा था। जयदेव कुमार ने बताया कि उनके नवजात शिशु के समस्त खून की जांच भी नॉर्मल थी। नर्सरी में गंभीर संक्रमण देखते हुए शिशु की छुट्टी करने के लिए आग्रह किया। ऐसा सुनकर डॉ० शिखर गुप्ता, डॉ० प्रियंका गुप्ता व नर्सरी स्टाफ ने अभद्र व्यवहार किया व शिशु की छुट्टी नहीं की। दिनांक 26 अक्टूबर को जबरन शिशु की छुट्टी कराकर जब अन्य चिकित्सक की सलाह ली व जांच कराई, तब ज्ञात हुआ कि शिशु को गंभीर समस्या है व डॉ० नागेंद्र मलिक ने उच्च स्तर पर इलाज हेतु शिशु को रेफर कर दिया। इसके बाद शिशु को गंभीर हालत में जसवंत राय स्पेशियलिटी अस्पताल मेरठ में भर्ती कर इलाज कराया गया। एडीओ जयदेव कुमार ने अस्पताल स्टार मेड के प्रबंधक, डॉ० शिखर गुप्ता, डॉ०



प्रियंका गुप्ता, डॉ० राजीव वशिष्ठ व अस्पताल की ठक्ठव में तैनात समस्त अप्रशिक्षित स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए। अस्पताल में भर्ती नवजात शिशु इ/ड प्रियंका व अन्य शिशुओं में एक साथ समान प्रकार की गंभीर चिकित्सीय घटनाएं होने, संक्रमण एवं चिकित्सीय लापरवाही से बच्चों का जीवन खतरे में डालने के सम्बन्ध में अस्पताल संचालक, चिकित्सक डॉ० शिखर गुप्ता, डॉ० प्रियंका गुप्ता, डॉ० राजीव कुमार वशिष्ठ व सम्बन्धित ठक्ठव स्टाफ के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया। साथ ही पिछले 8 माह से अस्पताल में भर्ती समस्त शिशुओं के उपचार का ऑडिट, भर्ती सभी बच्चों की ब्लड कल्चर रिपोर्ट, संक्रमण सम्बन्धी जांचें, एन्टीबायोटिक चार्ट एवं उपचार रिकॉर्ड की उच्च स्तरीय स्वतन्त्र विशेषज्ञ मेडिकल बोर्ड से जांच, आपराधिक चिकित्सीय लापरवाही कर रहे उक्त डॉक्टरों पर कार्यवाही की जाए व इनकी डॉ० शिखर गुप्ता, डॉ० प्रियंका गुप्ता, डॉ० राजीव वशिष्ठ की शैक्षिक योग्यता की भी जांच कराने के साथ डॉ० राजीव कुमार वशिष्ठ, इवटर जो कि सरकारी संविदा चिकित्सक हैं, का भी अनुबंध रद्द कर कानूनी कार्यवाही की जाए। डॉ० राजीव कुमार वशिष्ठ के द्वारा इवटर की शिक्षा की गई है, इस उपाधि के लिए उर्दू की अनिवार्यता है, कि जांच की जाए, संविदा हेतु अनुबंध शपथ पत्र की जांच की जाए, गलत पाए जाने पर इस डॉक्टर पर चिकित्सा पद्धति का मुकदमा किया जाए। एडीओ जयदेव कुमार ने डॉ० शिखर गुप्ता का पंजीयन संदिग्ध बताया है, क्योंकि इस डॉक्टर के द्वारा अपना नाम परिवर्तन कर 2-2 पंजीयन पंजीकृत हैं, जो गलत है। इसने धोखाधड़ी कर चिकित्सा नियमावली का उल्लंघन किया है। इसी प्रकार से डॉ० प्रियंका गुप्ता के टउकपंजीयन नं० 59991 है, यह पंजीयन टउकमें अन्य डॉक्टर के नाम पर अंकित है, अर्थात इस डॉक्टर साहिबा द्वारा तथ्य छिपाकर या कूटरचित तरीके से किसी अन्य डॉक्टर के पंजीयन पर चिकित्सीय काम करना कानूनी अपराध बताया। डॉ० शिखर गुप्ता एवं डॉ० प्रियंका गुप्ता की शैक्षिक योग्यताओं का गहनता से अध्ययन, उच्च स्तरीय संस्था से सत्यापित कराया जाए। उक्त दोनों डॉक्टरों की शैक्षिक योग्यताओं को जब तक सम्बन्धित संस्था सत्यापित न कर दे, तब तक इस अस्पताल को अस्थाई रूप से बन्द कराया जाए। उक्त डॉ० शिखर गुप्ता व डॉ० प्रियंका गुप्ता की शैक्षिक योग्यताएं सत्यापन उपरान्त भी उक्त दोनों डॉक्टरों की उच्च स्तरीय चिकित्सीय बोर्ड से प्रैक्टिस से सम्बंधित टेस्ट, काउंसलिंग कराई जाए, जिससे ये भविष्य में किसी शिशु की जान जोखिम में न डाल सकें। डॉक्टरों के द्वारा नवजात शिशु के इलाज में लापरवाही, मानव शिशु पर गलत तरीके से नशीले पदार्थों का प्रयोग करना आदि व मेरे शिशु की जान जोखिम में डालना एक चिकित्सक व चिकित्सा पद्धति के विरुद्ध है।

अस्पताल के मानकों पर भी सवाल किए। सम्बन्धित विभागों से इस संस्था द्वारा समय-समय पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कराए होंगे व कुछ विभागों से प्रतिवर्ष अनापत्ति प्रमाण पत्र अस्पताल संचालन में होना अनिवार्य है जैसे- अग्निशमन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्थानीय निकाय संस्था, औषधि नियंत्रण विभाग, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड, विद्युत विभाग, जल एवं सीवरेज विभाग, केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण आदि से प्राप्त NOC का सत्यापन सम्बन्धित विभाग से कराया जाए व वर्तमान की सभी NOC की भी जांच कराने के लिए शिकायत की।

सिम्भावली शुगर मिल में धरने पर बैठे किसानों को नैना सिंह गुर्जर ने दिया समर्थन





हापुड़ (सब का सपना):- रविवार को सिम्भावली शुगर मिल में धरने पर बैठे किसानों और मिल कर्मचारियों के बीच पहुंच कर समाजवादी पार्टी की नैना सिंह गुर्जर ने उनके आंदोलन को अपना पूरा समर्थन दिया। मिल के प्रबंधक अमानुल्लाह खान ने बातचीत में भरोसा दिलाया कि वे किसानों और कर्मचारियों के साथ खड़े हैं। नैना सिंह गुर्जर ने उनसे साफ कहा कि किसानों और कर्मचारियों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे।

उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन ठोस कदम उठाए। नैना सिंह गुर्जर ने कहा मैं जल्द ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर किसानों और कर्मचारियों की बात उनके सामने रखूंगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नीरज सिंह ने भी इस संघर्ष में किसानों और कर्मचारियों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया है। किसानों और कर्मचारियों को उनका हक दिलाने के लिए नैना सिंह गुर्जर उनके साथ मजबूती से खड़ी हूँ और समाधान होने तक उनकी आवाज उठाती रहूँगी।

खेत की जुताई को लेकर दो पक्षों में मारपीट, गोली चलने की अफवाह निकली झूठी



हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव शंकरटीला में शनिवार की देर रात खेत की जुताई को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही थाना बहादुरगढ़ पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं घटना को लेकर गोली चलने की चचाओं पर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति को गोली लगने जैसी कोई घटना नहीं हुई है। 15 नवंबर को मीडिया सेल जनपद हापुड़ की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

कुएं में समा गई नरेंद्र की जिंदगी, पीछे छूट गई गर्भवती पत्नी और तीन मासूमों की दुनिया

जाफरगंज थाने का ग्रामीणों ने किया घेराव, सीएम को मौके पर बुलाने की मांग; कस्बे से शराब की दुकानें हटाने और मेले में ठेका बंद रखने की उठाई आवाज





बिंदकी/फतेहपुर (सब का सपना):- शुक्रवार की देर शाम जाफरगंज क्षेत्र में कुएं में गिरकर नरेंद्र की मौत ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे के बाद जहां घर में चीख-पुकार मची है, वहीं घटना से आक्रोशित ग्रामीणों का गुस्सा सड़कों पर उतर आया। ग्रामीणों ने जाफरगंज थाने का घेराव कर मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने की मांग की। देखते ही देखते मामला गर्मा गया और स्थिति को संभालने के लिए चांदपुर, बिंदकी, लल्लौली और गाजीपुर समेत चार थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

ग्रामीणों ने कस्बे के अंदर संचालित शराब की दुकानों को हटाने की मांग उठाते हुए प्रशासन के सामने कई गंभीर सवाल खड़े किए। ग्रामीणों का कहना था कि शराब की दुकानों के आसपास का माहौल ठीक नहीं रहता। विद्यालय आने-जाने वाली छात्राओं और बहन-बेटियों के साथ छींटाकशी की घटनाएं होती हैं। ग्रामीणों ने मेले की व्यवस्थाओं पर भी नाराजगी जताई और मेले के दिनों में शराब के ठेके बंद रखने की मांग की। उनका कहना था कि यदि मेले के दौरान ठेका बंद रहता तो शायद इस अनहोनी को टाला जा सकता था। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि कस्बे में शराब की दुकानों के संचालन और बेटियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए।

हादसे में जान गंवाने वाले नरेंद्र पुत्र स्वर्गीय राजाराम की मौत ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। पत्नी सुलेखा और मां रामदुलारी का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी गर्भवती है। नरेंद्र अपने पीछे तीन बेटों कृष्णा 15, आयुष 12 और पीयूष 5 को छोड़ गया है। जिस पिता के कंधों पर बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी थी, आज वही बच्चे पिता के साये से हमेशा के लिए महरूम हो गए। पांच भाइयों में सबसे बड़ा नरेंद्र परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहा था। उसके छोटे भाई वीरेंद्र, महेंद्र, नागेंद्र और योगेंद्र हैं। एक हादसे ने पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ दी।

ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए चांदपुर, बिंदकी, लल्लौली और गाजीपुर थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। क्षेत्राधिकारी जाफरगंज अवनीश कुमार ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और पीड़ित परिवार को नियमानुसार समुचित सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। मृतक के छोटे भाई नागेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम में नायब तहसीलदार सुरेश चंद्रा, राजस्व निरीक्षक राकेश तिवारी, राजस्व निरीक्षक शर्फराज खान और ग्रामसभा भारतपुर की लेखपाल वंदना मौजूद रहीं।

राजस्व टीम ने बताया कि दैवीय आपदा राहत कोष से पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। वहीं कृषक दुर्घटना कल्याण बीमा योजना के अंतर्गत एक लाख रुपये की धनराशि तीन माह के भीतर दिलाने की बात कही गई है। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित पत्नी को अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का भी भरोसा दिया गया। नरेंद्र की मौत ने एक परिवार को जिंदगी भर का दर्द दे दिया है। वहीं इस घटना के बाद ग्रामीणों ने शराब की दुकानों के संचालन, छात्राओं की सुरक्षा और मेले की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन को घेरा है। ग्रामीणों की मांग है कि उनकी समस्याओं को केवल आश्वासन तक सीमित न रखा जाए, बल्कि धरातल पर ठोस कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन ग्रामीणों की मांगों पर क्या कदम उठाता है। एक तरफ गर्भवती पत्नी की सूनी होती दुनिया और तीन बच्चों का छिनता बचपन है, तो दूसरी तरफ ग्रामीणों के मन में उठते सवाल। नरेंद्र की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।

खेत जाते समय मोबाइल छीनकर भागे तीन युवक गिरफ्तार, छीना गया फोन बरामद

किशनपुर पुलिस ने दबोचे तीनों आरोपी, एक के खिलाफ पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे



फतेहपुर (सब का सपना):- किशनपुर थाना क्षेत्र में सुबह खेत जाते समय युवक का मोबाइल फोन छीनकर फरार हुए तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, 14 नवंबर की सुबह करीब 6:15 बजे विजयीपुर गांव निवासी निरंकुश कुमार मौर्य मोबाइल पर बात करते हुए खेत की ओर जा रहे थे। तभी मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों में पीछे बैठे एक युवक ने उनका मोबाइल छीन लिया और तीनों नरैनी की ओर भाग निकले। पीड़ित की तहरीर पर किशनपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत किशनपुर पुलिस ने विवेचना के दौरान प्रकाश में आए तीन आरोपियों खेमराज द्विवेदी उर्फ कल्लू द्विवेदी (23), मौजीलाल (20) और मोहन द्विवेदी (18) निवासी नरैनी, थाना किशनपुर को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद तीनों को न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, खेमराज द्विवेदी उर्फ कल्लू के खिलाफ किशनपुर थाने में वर्ष 2023 और 2024 के मारपीट, बलवा, सरकारी कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं के तीन पुराने मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा वर्तमान मोबाइल छिनैती का मुकदमा भी दर्ज है। वहीं मौजीलाल और मोहन द्विवेदी का आपराधिक इतिहास इसी मामले से संबंधित बताया गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अखिलेंद्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल रामउजागर शुक्ल, शिवशंकर, दीपक वर्मा, विवेक कुमार सिंह और काशीनाथ सिंह यादव शामिल रहे।

जोया हाईवे 9 पर पलटा छोटा हाथी, टायर फटने से हुआ हादसा, 13 लोग घायल



जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नेशनल हाईवे 9 पर रविवार को एक छोटा हाथी गाड़ी का अचानक टायर फट जाने से वह हाईवे पर पलट गया जिससे मौके पर चीख पुकार मच गई। इस हादसे में 13 लोगों के घायल होने की सूचना है बताया जा रहा है कि छोटा हाथी में सवार परिवार गंगा स्नान के मेले के लिए तिगरी गंगा धाम जा रहा था। बता दें कि यह हादसा दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोया के कुंडे के पुल के पास करीब 1:30 बजे हुआ। वाहन में करीब 15 लोग सवार थे।

टायर फटने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और छोटा हाथी पलट गया।परिवार मुरादाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र के बिजना गांव का रहने वाला है। वह रविवार को गजरौला स्थित तिगरी गंगा घाट जा रहा था।

हादसे के बाद हाईवे से गुजर रहे लोगों ने घायलों की मदद की। सूचना मिलने पर जोया चौकी प्रभारी सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को वाहन से बाहर निकलवाया और एंबुलेंस व अन्य मदद से जोया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।घायलों के नाम विशेष कुमार, रुक्मेश, होराम, गब्बर, राधिका, सोनम, विवेक, जितेंद्र कुमार, रजनी, शिवांगी, मलखान, विमला देवी और राजीव कुमार हैं।

विकासखंड अमौली में धूमधाम से मना बाल दिवस

बाल दिवस में बाल मेलों के साथ हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन





अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- विकासखंड अमौली के परिषदीय विद्यालयों में खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी के नेतृत्व में धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया।

परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुलखेड़ा में बाल दिवस समारोह में ग्राम प्रधानपति सुरेश त्रिपाठी एवं शिक्षकों ने वैदिक रीति से दीप प्रज्वलन एवं पूजन अर्चन किया तो बच्चों ने चाचा नेहरू की प्रतिमा के समक्ष केक काटकर एवं सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन मनाया। आयोजक शिक्षक उमेश कुमार ने चाचा नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन को अनुकरणीय एवं बालहित को समर्पित बताया।

आयोजक शिक्षक उमेश कुमार ने निजी धन से सभी बच्चों को स्टेशनरी, बिस्किट, टॉफी, मिश्री वितरित की। परिसर में आयोजित बाल मेले में लगे स्टालों में बच्चों ने भेलपुरी, गोलगप्पे, चाट, पानीपुरी, चटपटी मटर एवं फिंगर मोमोज एवं रसगुल्ला का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में रूप से सरोज सोनकर, राजेश कुमार, दीपा वर्मा, जयरानी, सुनीता, सहोदरा, विनोद, पप्पू सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर में प्रधानाध्यापक शैलेंद्र सचान के नेतृत्व में बाल मेले का आयोजन किया गया। बच्चों ने विभिन्न व्यंजनों का जमकर आनंद लिया।

संभल में सनसनीखेज वारदात, जमीन के अंदर मिला महिला का शव

घरेलू विवाद के बाद हत्या की आशंका, अमरोहा और संभल पुलिस जांच में जुटी





अनीता, मृतक

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- जनपद में रविवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब 10 दिन से लापता एक महिला का शव भांजे के दो मंजिला मकान के पीछे करीब छह फीट गहरे गड्ढे में दबा हुआ बरामद हुआ। महिला की हत्या कर शव को जमीन में दफनाने का आरोप उसके पति पर लगा है। आरोप है कि घरेलू विवाद के चलते पति ने अपने भांजे के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया और शव को गड्ढे में दफना दिया। पुलिस ने बुलडोजर की मदद से खुदाई कराकर शव को बाहर निकलवाया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मृतका की पहचान अनीता के रूप में हुई है। वह अमरोहा जनपद के आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव पुरसल निवासी प्रकाश की बेटी थी। उसकी शादी वर्ष 2007 में सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव चकुनी निवासी नेमपाल के साथ हुई थी। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच पिछले करीब छह वर्षों से घरेलू विवाद चल रहा था। विवाद के चलते दोनों अलग-अलग रह रहे थे। अनीता के चार बच्चे हैं। इनमें बेटा निशांशु अपने पिता के साथ रहता था, जबकि तीन बेटियां निशा, चांदनी और मोनिका अपनी मां के साथ रह रही थीं। अनीता गजरौला में काम करके अपनी बेटियों का पालन-पोषण कर रही थी। परिजनों के अनुसार, अनीता तीन नवंबर को गजरौला से अपने मायके गांव पुरसल आई थी। चार नवंबर को वह वापस गजरौला जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन इसके बाद पांच नवंबर की शाम से उसका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद 11 नवंबर को आदमपुर थाने में अनीता की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो जांच की कड़ियां जनपद संभल के रजपुरा थाना क्षेत्र के गवां कस्बे से जुड़ती चली गईं।

रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे पुलिस गवां चौराहे के पास दुकानों के पीछे स्थित एक मकान पर पहुंची। यह मकान अनीता के भांजे राजू सैनी का बताया जा रहा है। पुलिस को मकान के पीछे जमीन में शव दबे होने की जानकारी मिली। इसके बाद बुलडोजर की मदद से करीब छह फीट गहरे गड्ढे की खुदाई कराई गई। खुदाई के दौरान अनीता का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना पर रजपुरा, आदमपुर और सैदनगली थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को बाहर निकलवाया।

परिजनों का आरोप है कि चार और पांच नवंबर की रात घरेलू विवाद के चलते नेमपाल ने अनीता की हत्या कर दी थी। इसके बाद अपने भांजे राजू सैनी की मदद से शव को गवां में उसके मकान के पीछे गड्ढा खोदकर दफना दिया। हालांकि, पुलिस अभी इन आरोपों की जांच कर रही है और हत्या की वास्तविक वजह का पता लगाने में जुटी है।

अनीता के भाई रामकेश ने अपने बहनोई नेमपाल पर हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि नेमपाल ने करीब 15 दिन पहले जमीन बेची थी। भाई ने जमीन बेचने के मामले को भी हत्या की संभावित वजह बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में थाना रजपुरा प्रभारी संदीप चौधरी ने बताया कि महिला का शव बरामद कर लिया गया है। मामला अमरोहा जनपद के आदमपुर थाना क्षेत्र से संबंधित है। शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई आदमपुर पुलिस द्वारा कराई जा रही है। हत्या की वजह और परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

योग से स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत का संदेश लेकर सम्पन्न हुआ योग सेतु कार्यक्रम



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में इंडियन योग एसोसिएशन (IYA) उत्तर प्रदेश स्टेट चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को गंगा घाट, तिगरी, गजरौला में ह्योग सेतु The Collective Sankalp with IYA' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय योग से स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गजरौला मीनाक्षी चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि राजीव कुमार (प्रभागीय वनाधिकारी), विमल किशोर भारद्वाज (उप प्रभागीय वनाधिकारी) सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कअ उत्तर प्रदेश स्टेट चैप्टर के चेयरपर्सन पीयूष कांत मिश्रा, सचिव अमित गर्ग, वैस्ट जॉन अध्यक्ष नौबहार सिंह, वैस्ट जॉन सेक्रेटरी महेंद्र सिंह, कार्यक्रम कन्वीनर सचिन चौधरी एवं कार्यक्रम संचालक अखिलेश पाण्डेय, रामनिवास शास्त्री, जोगेंद्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित व्याख्यान सत्रों में वक्ताओं ने योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली और समाज में योग की उपयोगिता पर अपने विचार रखे। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. अजय शास्त्री, विभागाध्यक्ष, योग विभाग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय; डॉ. तारक नाथ प्रमाणिक, विभागाध्यक्ष, योग विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं डॉ. मधु भारद्वाज, प्राकृतिक चिकित्सक शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं योग प्रदर्शन के साथ हुआ। योगाभ्यास के माध्यम से लोगों को नियमित योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। लोगों से गंगा घाटों को स्वच्छ रखने, नदी में कूड़ा एवं प्लास्टिक न डालने तथा स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की अपील की गई। समापन समारोह में अतिथियों का सम्मान एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि योग, स्वच्छ पर्यावरण और गंगा संरक्षण स्वस्थ एवं खुशहाल भारत के निर्माण के महत्वपूर्ण आधार हैं।

देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है, किन्तु उत्तर भारत में इसका विशेष महत्व है। तुलसी को विष्णु-प्रिया भी कहते हैं। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक शुक्ल नवमी की तिथि ठीक है परंतु कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पाँचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं। तुलसी विवाह की यही पद्धति अधिक प्रचलित है। इस दिन से हिन्दू समाज में विवाहादि मांगलिक कार्य भी पुनः प्रारंभ हो जाते हैं। इस एकादशी के उपवास से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।



देवउठनी एकादशी व्रत कथा

कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक राजा के राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। प्रजा तथा नौकर-चाकरों से लेकर पशुओं तक को एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन किसी दूसरे राज्य का एक व्यक्ति राजा के पास आकर बोला- महाराज! कृपा करके मुझे नौकरी पर रख लें। तब राजा ने उसके सामने एक शर्त रखी कि ठीक है, रख लेते हैं। किन्तु रोज तो तुम्हें खाने को सब कुछ मिलेगा, पर एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने उस समय हाँ कर ली, पर एकादशी के दिन जब उसे फलाहार का सामान दिया गया तो वह राजा के सामने जाकर गिड़गिड़ाने लगा- महाराज! इससे मेरा पेट नहीं भरेगा। मैं भूखा ही मर जाऊँगा। मुझे अन्न दे दो। राजा ने उसे शर्त की बात याद दिलाई, पर वह अन्न छोड़ने को राजी नहीं हुआ, तब राजा ने उसे आटा-दाल-चावल आदि दिए। वह नित्य की तरह नदी पर पहुँचा और स्नान कर भोजन पकाने लगा। जब भोजन बन गया तो वह भगवान को बुलाने लगा- आओ भगवान! भोजन तैयार है।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता।

बुलाने पर पीताम्बर धारण किए भगवान चतुर्भुज रूप में आ पहुँचे तथा प्रेम से उसके साथ भोजन करने लगे। भोजनादि करके भगवान अंतर्धान हो गए तथा वह अपने काम पर चला गया।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह बोला- मैं नहीं मान सकता कि भगवान तुम्हारे साथ खाते हैं। मैं तो इतना व्रत रखता हूँ, पूजा करता हूँ, पर भगवान ने मुझे कभी दर्शन नहीं दिए।

राजा की बात सुनकर वह बोला- महाराज! यदि विश्वास न हो तो साथ चलकर देख लें। राजा एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भोजन बनाया तथा भगवान को शाम तक पुकारता रहा, परंतु भगवान न आए। अंत में उसने कहा- हे भगवान! यदि आप नहीं आए तो मैं नदी में कूदकर प्राण त्याग दूँगा। लेकिन भगवान नहीं आए, तब वह प्राण त्यागने के उद्देश्य से नदी की तरफ बढ़ा। प्राण त्यागने का उसका दृढ़ इरादा जान शीघ्र ही भगवान ने प्रकट होकर उसे रोक लिया और साथ बैठकर भोजन करने लगे। खा-पीकर वे उसे अपने विमान में बिठाकर अपने धाम ले गए। यह देख राजा ने सोचा कि व्रत-उपवास से तब तक कोई फायदा नहीं होता, जब तक मन शुद्ध न हो। इससे राजा को ज्ञान मिला। वह भी मन से व्रत-उपवास करने लगा और अंत में स्वर्ग को प्राप्त हुआ।

कैसे करें व्रत-पूजन

- व्रती स्त्रियां इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं -

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम॥
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें -

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें -

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थ शेषशायिना॥
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन॥

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से समुत्थिते ततो विष्णौ क्रियाः सर्वाः प्रवर्तयेत के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं।) अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।



देव उठनी ग्यारस का महत्व

हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है. आज के प्रसंग में देखें तो चातुर्मास के बाद देव उठनी ग्यारस से पूरे बाज़ार में हल चल शुरू हो जाती है. शादी का मुहूर्त निकलने के कारण लोग खरीदी में लग जाते हैं और इस तरह व्यापार-व्यवयास में बड़ा उछाल आता है. भारत की यह सामाजिक संरचना ही यहाँ की आर्थिक संरचना को इतना सुदृढ़ बनाती है. तीज-त्यौहार सिर्फ खुशियों का बहाना नहीं बल्कि व्यापार-व्यवयास को बढ़ावा देने का भी बहाना हैं. इन्ही प्रथाओं के चलते भारत में कभी भी रिसेशन नहीं आ सकता. मैं देव उठनी ग्यारस और सभी त्यौहारों को बहुत शुभ मानता हूँ. देव उठनी ग्यारस का धार्मिक महत्व और हमारी संस्कृति का व्यवहारिक दृष्टिकोण देखकर भारतीय संस्कृति के प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गई.आज के दिन कई जगहों पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी रहता है. यह भी हमारी संस्कृति का एक अमूल्य पहलू है. जो असमर्थ लोग शादी में ज्यादा व्यय नहीं कर सकते उनके लिए समाज द्वारा की गई यह कुशल व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है.आज देव उठनी ग्यारस के दिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि जिनकी आकृति अतिशय शांत है, जो शेषनाग की शय्या पर शयन किए हुए हैं, जिनकी नाभि में कमल है, जो सब देवताओं द्वारा पूज्य हैं, जो संपूर्ण विश्व के आधार हैं, जो आकाश के सदृश सर्वत्र व्याप्त हैं, नीले मेघ के समान जिनका वर्ण है, जिनके सभी अंग अत्यंत सुंदर हैं, जो योगियों द्वारा ध्यान करके प्राप्त किये जाते हैं, जो सब लोकों के स्वामी हैं, जो जन्म-मरणरूप भय को दूर करने वाले हैं, ऐसे लक्ष्मीपति, कमलनयन, भगवान विष्णु को मैं प्रणाम करता हूँ !





तुलसी विवाह

भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. देवप्रबोधिनी एकादशी के दिन मनाए जानेवाले इस मांगलिक प्रसंग के सुअवसर पर सनातन धर्मावलम्बी घर की साफ़-सफाई करते हैं और रंगोली सजाते हैं. शाम के समय तुलसी चौरा के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात् नारायण स्वरुप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं और फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं. पौराणिक कथानुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया. इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए, जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं. इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरुप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है. तुलसी विवाह के सुअवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है. आस्थावान भक्तों के अनुसार इस दिन श्रद्धा-भक्ति और विधिपूर्वक व्रत करने से व्रती के इस जन्म के साथ-साथ पूर्वजन्म के भी सारे पाप मिट जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है.

तुलसी विवाह विधि

हिन्दू पुराणों में तुलसी जी को विष्णु प्रिया कहा गया है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी जी और भगवान विष्णु का विवाह कराने की प्रथा है। इस विवाह में तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम पाषाण का पूर्ण वैदिक रूप से विवाह कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह का शुभ दिन 13 नवंबर 2013 है। तुलसी विवाह के दिन व्रत करें और तुलसी जी के साथ विष्णु जी की मूर्ति घर में स्थापित करें। इसके बाद सुयोग्य पंडित या ब्राह्मण की सहायता से विधिवत रूप से तुलसी विवाह संपन्न कराएं। द्वादशी के दिन पुन- तुलसी जी और विष्णु जी की पूजा करें और व्रत का पारण करें। भोजन के पश्चात तुलसी के स्वत- गिरे हुए पत्तों को खाना शुभ होता है।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के निकट जलाएं दीपक

शास्त्रों में कार्तिक मास को श्रेष्ठ मास माना गया है। मासों में कार्तिक मास, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। अर्थात कार्तिक मास के समान कोई भी मास नहीं है। पुराण में वर्णित है कि यह मास धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष को देने वाला है। विशेष रूप से स्नान दान एवं तुलसी की पूजा इस मास में विशेष फलदायी है। कार्तिक मास में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस मास में जो व्यक्ति देवालय, नदी के किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में दीपक जलाता है उसे सर्व सुख प्राप्त होते हैं। इस मास में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। इस मास में की गई भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की उपासना असीमित फलदायी होती है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी की तिथि को देव शयन करते हैं और इस कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उठते हैं। इसीलिए इसे देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु, जो क्षीरसागर में सोए हुए थे, चार माह उपरान्त जागे थे। विष्णुजी के शयन काल के चार मासों में विवाहादि मांगलिक कार्यों का आयोजन करना निषेध है। हरि के जागने के बाद ही इस एकादशी से सभी शुभ तथा मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। इस दिन गंगा-स्नान, दीपदान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अंगिरा और आदित्य ने इसे महापुनीत पर्व कहा है। इसलिए इसमें गंगा स्नान, दीपदान, होम, यज्ञ तथा उपासना आदि का विशेष महत्व है। कहा गया है कि यदि स्नान में कुशा और दान करते समय हाथ में जल व जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है। शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए इस दिन स्नान करते समय पहले हाथ-पैर धो लें फिर आचमन करके हाथ में कुशा लेकर स्नान करें, इसी प्रकार दान देते समय हाथ में जल लेकर दान करें। आप यज्ञ और जप कर रहे हैं तो पहले संख्या का संकल्प कर लें फिर जप और यज्ञादि कर्म करें।



फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में बात की

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स ने उन्हें और निर्माता रितेश सिधवानी को यह सोचने पर मजबूर किया कि 'मिर्जापुर' की कहानी को फिल्म के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मेकर्स का मानना था कि इस सीरीज की दुनिया और इसके किरदार बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को पसंद आएंगे।

फरहान ने बातचीत में बताया कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी वे कहीं जाते थे, लोग उनसे 'मिर्जापुर' के अगले सीजन के बारे में जरूर पूछते थे। दर्शकों के बीच इस कहानी को लेकर काफी उत्सुकता थी। लोग जानना चाहते थे कि इसका अगला हिस्सा कब आएगा और कहानी में आगे क्या होने वाला है।

फरहान ने कहा, ''आप जानते हैं, बात यह है कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी हम कहीं जाते थे, लोग हमसे हमेशा पूछते थे कि 'मिर्जापुर' का अगला सीजन कब आएगा? आगे क्या होने वाला है? इसे कब बनाया जाएगा? क्या इसका तीसरा सीजन भी आएगा?''

उन्होंने आगे कहा, ''जब भी हम बाहर निकलते थे, हमें लोगों के बीच एक अलग तरह का उत्साह दिखाई देता था। हमें लगा कि फिल्म और सीरीज की कहानी और इसकी लेखन शैली बड़े पर्दे पर भी बहुत अच्छी तरह काम करेगी।''

फरहान ने बताया, ''मिर्जापुर' के किरदार और इसकी दुनिया काफी बड़े स्तर की है। दर्शकों ने अब तक इस दुनिया को घर पर बैठकर अकेले या अपने परिवार के साथ देखा है, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें इसे एक अलग अंदाज में देखने का मौका मिलने वाला था। फिल्म को लेकर मेकर्स की सोच थी कि यह दर्शकों को एक साथ सिनेमाघर में बैठकर कहानी देखने का अनुभव देगी।'' उन्होंने कहा, ''मेकर्स चाहते थे कि जिन लोगों ने कभी 'मिर्जापुर' नहीं देखी है, वे भी फिल्म देखने आएं और इसका पूरा आनंद ले सकें। वे फिल्म देखकर बाहर निकलें तो उन्हें लगे कि उन्होंने एक पूरी कहानी देखी है, न कि किसी सीरीज का अधूरा हिस्सा। यह हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन पुनीत की लेखनी और गुरु के निर्देशन ने सब कुछ बहुत खूबसूरती से जोड़ दिया। हमें शुरुआत से ही विश्वास था कि 'मिर्जापुर' की यह दुनिया फीचर फिल्म के रूप में भी अच्छी तरह ढल सकती है।''

अब फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फरहान ने कहा, ''किसी न किसी मायने में यह घर वापसी जैसा है। अच्छा लग रहा है। फिल्म को ओटीटी पर एक अलग तरह के दर्शक भी देखने वाले हैं। अब अमेजन प्राइम पर रिलीज के जरिए हम उन दर्शकों तक भी पहुंच पाएंगे।''





रोमांटिक किरदार निभाने पर बोले मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' को लेकर चर्चा में हैं। इसके प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने इस बात पर चर्चा की कि इंडस्ट्री में तीन दशक बिताने के बावजूद, उन्हें रोमांटिक फिल्मों में बहुत कम क्यों देखा गया है। बातचीत में अभिनेता ने बताया कि वह हमेशा से एक जटिल प्रेम कहानी का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें कभी कोई सही ऑफर नहीं मिला। दिलचस्प बात यह है कि मनोज का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी भी ऐसे अभिनेताओं को रोमांटिक किरदारों में कास्ट करने को लेकर हिचकिचाहट है, जिनका लुक पारंपरिक नहीं है। मनोज ने बताया कि उनसे पूछा गया था कि वह रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे पूछा, 'आप रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते?' मैंने कहा, 'अरे भाई, तीन दशक हो गए हैं!' मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि कोई निर्देशक या लेखक मुझे रोमांटिक फिल्म का ऑफर देने में दिलचस्पी रखता हो।' अभिनेता ने कहा कि उन्हें कभी भी पर्दे पर रोमांस करने की अपनी क्षमता पर कोई शक नहीं रहा। हालांकि, वह हमेशा से एक आम प्रेम कहानी से कुछ अलग और बेहतर करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि एक रोमांटिक किरदार कैसे निभाते हैं। मुझे पता है कि रोमांस कैसे किया जाता है। शायद मैं किसी आम रोमांटिक फिल्म से कुछ हटकर तलाश रहा था, क्योंकि मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो आसानी से किसी एक घिसे-पिटे सांचे में फिट हो जाए। मैं हमेशा से एक बहुत ही जटिल प्रेम कहानी की तलाश में था, लेकिन मुझे कभी ऐसा कोई ऑफर नहीं मिला। एक-दो मौके आए भी, लेकिन किसी न किसी वजह से वे फिल्में कभी बन ही नहीं पाईं या शुरू ही नहीं हो सकीं।' अपने करियर के इस पड़ाव पर, मनोज को लगता है कि अधेड़ उम्र के लोगों के रोमांस को पर्दे पर दिखाना एक दिलचस्प विषय हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'आज के समय में आप केवल अधेड़ उम्र के लोगों की प्रेम कहानी के बारे में ही सोच सकते हैं। ऐसे देश में जहां अलग लुक वाले अभिनेताओं के पास रोमांटिक फिल्म करने का विकल्प तक नहीं है, वहां वह यह कैसे सोच सकते हैं कि कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति इस तरह के दर्शकों के लिए रोमांस कर सकता है? निर्देशक और लेखक उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि समाज, है ना? इसलिए, मुझे हमेशा उम्मीद रहती है कि कोई कुछ बहुत ही अनोखा और जटिल लेकर आएगा। जैसे कि अधेड़ उम्र के लोगों की कहानी।'



श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपने निजी अनुभवों पर बात की

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, ''मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।'' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, ''मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।'' श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।



बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान खान, फिर भी 'ईथा' को किया सपोर्ट



बॉक्स ऑफिस पर जब दो बड़े सितारों की फिल्में एक ही दिन रिलीज होती हैं, तो मुकाबले की चर्चा होना लाजिमी है. लेकिन इस बार सलमान खान ने ऐसा कुछ किया है, जिसने सबका ध्यान खींच लिया है. उनकी फिल्म 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. यानी दोनों फिल्मों के बीच सीधी टक्कर होने वाली है. इसके बावजूद सलमान ने श्रद्धा की फिल्म को सपोर्ट किया है और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं.

सलमान ने शेयर किया 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर

12 नवंबर को सलमान खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर लिंक शेयर किया. उन्होंने श्रद्धा कपूर और मैडॉक फिल्म्स को टैग करते हुए लिखा, 'ऑल द बेस्ट फॉर ईथा.' सलमान के इस पोस्ट को मैडॉक फिल्म्स ने भी री-शेयर किया और उनका शुक्रिया अदा किया. प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया सलमान सर.' खास बात यह है कि सलमान ने यह शुभकामना ऐसे वक्त दी है, जब उनकी अपनी फिल्म भी श्रद्धा की फिल्म के साथ रिलीज होने जा रही है. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'ईथा' एक बायोग्राफिकल ड्रामा है. इसमें श्रद्धा कपूर महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं. वहीं सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है. फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों का मुकाबला दिलचस्प होने वाला है.



वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे जयदीप अहलावत



जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आ रहे हैं. अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' में अपने अभिनय को लेकर चर्चा में रहे अभिनेता अब नई वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे. इस बार कहानी में सिर्फ अपराध और रहस्य ही नहीं, बल्कि हंसी-मजाक का भी तड़का होगा. 'पुष्पक विमान' में जयदीप अहलावत के साथ बरुन सोबती और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस सीरीज को सुदीप शर्मा बना रहे हैं, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी कहानियों से पहले भी दर्शकों का ध्यान खींच चुके हैं. बरुन सोबती और सुदीप शर्मा इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं. अब यह जोड़ी एक नई कहानी के साथ लौट रही है रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस सीरीज को 2026 की शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इसकी कहानी और दूसरी जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है.

शूर्पणखा बनने के लिए रकुल प्रीत को रोज लगते थे चार घंटे

इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा है। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अब अपने इस सफर की कुछ खास झलकियां साझा की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह अपने किरदार की तैयारी करती, मेकअप करवाती और शूटिंग के दौरान नजर आ रही हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्ट के जरिए बताया कि वह काफी समय से इस किरदार को निभाने का अनुभव फैंस के साथ साझा करना चाहती थीं। पोस्ट में उनके शूर्पणखा के लुक की तैयारी से लेकर सेट पर शूटिंग तक के कई पल देखने को मिल रहे हैं।

इनमें मेकअप और हेयरस्टाइल टीम के साथ बिताया गया समय भी शामिल है। रकुल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मैं 'रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाने का अनुभव साझा करने का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए बेहद खास सफर रहा है। ऐसा हर बार नहीं होता कि आपको ऐसी कहानी का हिस्सा बनने का मौका मिले, जो पीढ़ियों से हमारी जिंदगी और संस्कृति का हिस्सा रही है। 'रामायण' को इतने बड़े स्तर पर पर्दे पर जीवंत होते देखना वाकई एक अलग अनुभव है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हमारे देश के लिए इतना मायने रखती है और उसे इतने बड़े स्तर पर आकार लेते देखना, इस सफर को मेरे लिए और भी खास बनाता है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का शुक्रिया, जो दूर की सोच रखने वाले ऐसे लोग हैं, जिन्होंने बड़ा सपना देखा और उसे हकीकत में बदला। उनकी मेहनत और भारत से पूरी दुनिया तक कुछ असाधारण बनाने की इच्छा इस सफर को बेहद प्रेरणादायक बनाती है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, काजल अग्रवाल, शोभना और पूरी स्टारकास्ट व क्रू का भी शुक्रिया। आप सभी शानदार सह-कलाकार रहे और इस जादू को पर्दे पर उतारने के लिए सभी ने अपनी पूरी मेहनत लगा दी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।